राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण गुरुवार 03 अगस्त 2023 वर्ष–6,अंक–190 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अजित पवार ने राजीव गांधी से की मोदी की तुलना

पूर्व पीएम की इमेज मिस्टर क्लीन की थी, नरेंद्र मोदी की भी वही छवि

पुणे। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने पूर्व पीएम राजीव गांधी की तुलना मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से की है। अजित ने कहा, राजीव गांधी को 'मिस्टर क्लीन' के नाम से जाना जाता था और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी वही इमेज है। पिछले महीने NCP को तोड़कर भाजपा-शिवसेना सरकार में शामिल होने वाले पवार ने मंगलवार को पुणे में एक कार्यक्रम में यह बात कही।

अजित बोले- मोदी जैसा लोकप्रिया नेता दूसरा नहीं

पवार ने आगे कहा, हम पिछले 9 साल से पीएम मोदी का काम देख रहे हैं। इंटरनेशनल लेवल पर मोदी जैसी लोकप्रियता वाला कोई दूसरा नेता नहीं है। बुनियादी ढांचे के मामले में उन्होंने जो काम किया है, उसे देखिए, भारत को दुनिया में अलग तरह का सम्मान मिलता है। अजित ने यह भी कहा, इंदिरा गांधी को भी इसी तरह का सम्मान मिलता था, जब वह दूसरे देशों का दौरा करती थीं।

मोदी के काफिले का लोग करते हैं स्वागत- पीएम मोदी को मंगलवार को लोकमान्य तिलक पुरस्कार दिया गया था। यह कार्यक्रम पुणे में आयोजित किया गया था। जिसमें महाराष्ट्र के दोनों डिप्टी सीएम और सीएम शामिल हुए। अजित ने कहा, जब मोदी का काफिला गुजर रहा था तो पुणे के लोगों ने सड़कों के दोनों ओर खड़े होकर उनका स्वागत किया। मैं और देवेन्द्र जी (डिप्टी सीएम देवेन्द्र फड़नवीस) काफिले में एक ही कार में थे। कार्यक्रम स्थल तक मोदी की यात्रा के दौरान हमने कोई काला झंडा नहीं देखा।

पीएम मोदी देश में अच्छा माहौल बनाने की कर रहे कोशिश

यही नहीं पवार ने मणिपुर मामले पर पीएम मोदी की तीखी प्रतिक्रिया की प्रशंसा की। पवार बोले, कोई भी प्रधानमंत्री कानून-व्यवस्था की दृष्टि से देश में अच्छा माहौल बनाने के बारे में सोचेगा। मणिपुर में जो कुछ भी हो रहा है, उसका किसी ने समर्थन नहीं किया। प्रधानमंत्री ने मामले का संज्ञान लिया है। भारत के मुख्य न्यायाधीश ने भी संज्ञान लिया है। केंद्र और मणिपुर सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि 3 मई की घटना (जहां दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाया गया) के

पवार ने आगे कहा, हम पिछले 9 साल से पीएम मोदी का काम देख रहे हैं। इंटरनेशनल लेवल पर मोदी जैसी लोकप्रियता वाला कोई दूसरा नेता नहीं है।

दोषियों को सजा मिले। पवार ने कहा, मोदी दिन में 18 घंटे काम करते हैं। उन्होंने कहा, दिवाली के दौरान, जबकि देश के बाकी लोग घर पर दिवाली मनाते हैं, वह इसे सीमा पर सेना के जवानों के साथ मनाते हैं। पीएम ने कहा कि लोकमान्य तिलक भारत के स्वतंत्रता इतिहास के माथे के तिलक हैं। देश की आजादी में उनकी भूमिका, उनके योगदान को कुछ घटनाओं और शब्दों में नहीं समेटा जा सकता है। उन्होंने कहा कि मैं इस अवॉर्ड को 140 करोड़ देशवासियों को समर्पित करता हूं।

पूरे देश में सहकारिता समितियां एक जैसे मानकों के तहत होंगी संचालित, संशोधन विधेयक राज्यसभा में पारित

नई दिल्ली। राज्यसभा में बहुराज्य सहकारी सोसाइटी (संशोधन) विधेयक ध्वनिमत से पारित हो गया। विपक्ष के हंगामे, नारेबाजी और सदन से बहिर्गमन के बीच संक्षिप्त चर्चा के बाद जैविक विविधता संशोधन विधेयक और मध्यस्थता विधेयक भी पारित हो गया। इसके साथ ही उच्च सदन में मंगलवार को तीन विधेयक पारित हुए और आवधिक पंजीकरण विधेयक 2023 पेश किया गया। बहुराज्य सहकारी सोसायटी (संशोधन) विधेयक को सदन में चर्चा के लिए केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री बीएल वर्मा ने सदन पटल पर रखा। वर्मा ने कहा यह संशोधन सहकारिता के विकास के लिए जरूरी हैं। इस चर्चा का जवाब देते हुए वर्मा ने कहा संशोधन विधेयक के पारित होने से सहकारिता आंदोलन में एक नए युग के सूत्रपात होगा। हालांकि सभापति ने इस बीच विपक्ष के बहिर्गमन पर गहरा क्षोभ व्यक्त किया और सहकारिता के महत्व पर प्रकाश डाला। राज्यमंत्री ने कहा कि सहकारिताओं के कामकाज में पारदर्शिता आएगी और इस संशोधन से अब पूरे देश में सहकारिता एक समान मानकों के तहत संचालित हो सकेंगी। अब सहकारिता में मनमानी और कुप्रबंधन पर लगाम लगेगी। नई सोसाइटी डिफाल्टर नहीं बना पाएंगे।? राज्यसभा में विपक्ष के हंगामे के बीच जैविक विविधता संशोधन व मध्यस्थता विधेयक भी पारित हो गया। पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने जैविक विविधता संशोधन विधेयक पर जवाब देते हुए कहा कि इस संशोधन से औषधीय जैव विविधता संरक्षित होगी। आदिवासी और स्थानीय लोगों को और अधिक अधिकार मिलेंगे। राज्यसभा ने इससे पहले मध्यस्थता विधेयक को संक्षिप्त चर्चा के बाद पारित किया। इस विधेयक को कानून और न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने मध्यस्थता विधेयक- 2021 को चर्चा के लिए सदन पटल पर रखा।

370 पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू

केंद्र ने नए एफिडेविट में कहा था- आतंकवाद खत्म करने का एक ही रास्ता था, आर्टिकल 370 हटाना

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 हटाने के फैसले को चुनौती देने वाली 23 याचिकाओं पर बुधवार (2 अगस्त) सुबह 10.30 बजे से सुप्रीम कोर्ट में रेगुलर सुनवाई शुरू हो गई है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुआई वाली पांच जजों की बेंच मामले की सुनवाई करेगी। इनमें जस्टिस एस के कौल, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस सूर्यकांत शामिल हैं। आर्टिकल 370 पर सुप्रीम कोर्ट में 3 साल बाद सुनवाई हो रही

है। इससे पहले, 2020 में 5 जजों की संवैधानिक बेंच ने इस मामले की सुनवाई की थी। तब अदालत ने कहा था कि हम मामला बड़ी संवैधानिक बेंच को ट्रांसफर कर रहे हैं। 11 जुलाई को इस मामले को लेकर चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुआई वाली बेंच ने अलग-अलग पार्टियों के लिए लिखित याचिका दाखिल करने के लिए 27 जुलाई की डेडलाइन तय की थी। बेंच ने कहा था, हम इन याचिकाओं पर सोमवार और शुक्रवार को छोड़कर हर दिन सुनवाई करेंगे। 10 जुलाई को केंद्र ने मामले में नया एफिडेविट दाखिल किया था इस मामले को लेकर आखिरी सुनवाई 11 जुलाई को हुई थी। इससे एक दिन पहले 10 जुलाई को केंद्र ने इस मामले में नया एफिडेविट दाखिल किया था। केंद्र ने कहा था कि जम्मू-कश्मीर 3 दशकों तक आतंकवाद झेलता रहा।

इंफाल के जिलों में कर्फ्यू में छूट की अवधि बढ़ी, सुरक्षा बलों ने चलाया तलाशी अभियान

इंफाल (मणिपुर)। मणिपुर सरकार ने कानून व्यवस्था की स्थिति में सुधार के मद्देनजर इंफाल पूर्व और पश्चिम जिलों में कर्फ्यू में छूट की अवधि एक घंटे बढ़ा दी है। इसकी जानकारी एक आधिकारिक बयान में दी गई है। इंफाल के दोनों जिलों में कर्फ्यू में छूट की अवधि अब सुबह 5 बजे से रात 8 बजे तक थी। दोनों जिलों के जिला मजिस्ट्रेटों के कार्यालय द्वारा जारी अलग-अलग आदेशों में कहा गया है कि कानून और व्यवस्था में काफी सुधार हुआ है और आम जनता को दवाओं और खाद्य पदार्थों सहित आवश्यक वस्तुओं की खरीद की सुविधा के लिए आंदोलन पर प्रतिबंध में ढील देने की आवश्यकता है। घाटी के अन्य जिलों थौबल, काकचिंग और बिष्णुपुर में कर्फ्यू में छूट की अवधि सुबह 5 बजे से शाम 5 बजे तक अपरिवर्तित रही। मणिपुर पुलिस नियंत्रण कक्ष द्वारा जारी एक अलग प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि राज्य में स्थिति अभी भी अस्थिर और तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में है और सुरक्षा बलों ने राज्य के संवेदनशील और सीमांत क्षेत्रों में तलाशी अभियान चलाया है।

इस बीच, अधिकारियों ने कहा कि कोम यूनियन मणिपुर के अध्यक्ष सटों अहाओ कोम (45) को मंगलवार देर रात चुराचांदपुर जिले के चिंगफेई गांव के पास आतंकवादियों द्वारा शारीरिक हमला किए जाने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इम्फाल के एक अस्पताल में इलाज करा रहे सटों ने संवाददाताओं से कहा कि उग्रवादियों ने उन पर अरामबाई टेंगोल, मैतेई लीपुन और कोकोमी जैसे मैतेई निकायों के साथ संबंध रखने का आरोप लगाया है। अनुसूचित जनजाति (एसटी) दर्जा के लिए मैतेई समुदाय की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च के आयोजन के बाद 3 मई को मणिपुर में जातीय झड़पें हुईं, जिसके बाद से 160 से अधिक लोगों की जान चली गई और कई सैकड़ों घायल हो गए। मणिपुर की आबादी में मेइतेई लोगों की संख्या लगभग 53 प्रतिशत है और वे ज्यादातर इम्फाल घाटी में रहते हैं। आदिवासी - नागा और कुकी - 40 प्रतिशत से कुछ अधिक हैं और पहाड़ी जिलों में रहते हैं।

पांच-छह अगस्त को तमिलनाडु-पुडुचेरी के दौरे पर रहेंगी मुर्मू

चेन्नई। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पांच और छह अगस्त को तमिलनाडु और पुडुचेरी की दो दिवसीय यात्रा पर रहेंगी। श्रीमती मुर्मू पांच अगस्त की शाम चेन्नई पहुंचेंगी और यहां राजभवन में रात्रि विश्राम करेंगी। वह छह अगस्त यानी रविवार को मद्रास विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में भाग लेंगी, जिसके बाद वह केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के लिए रवाना हो जाएंगी।

तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन.रवि और मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन के भी कलैवनार अरंगम में आयोजित होने वाले दीक्षांत समारोह में भाग लेने की

उम्मीद है, जो मरीना समुद्र तट के सामने मद्रास विश्वविद्यालय परिसर से कुछ मीटर की दूरी पर स्थित है। राष्ट्रपति के दौरे के मद्देनजर पुलिस कड़ी सुरक्षा व्यवस्था कर रही है।

शिमला का चंडीगढ़ से संपर्क कटा, परवाणू में चक्की मोड़ पर भूस्खलन, हाइवे का 40 मीटर हिस्सा बह गया

शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला का बुधवार सुबह चंडीगढ़ से संपर्क कट गया। भारी भूस्खलन की वजह से सोलन जिले के परवाणू में शिमला को चंडीगढ़ से जोड़ने वाला नेशनल हाइवे-पांच अवरुद्ध हो गया है। हाइवे का करीब 40 मीटर हिस्सा बह गया है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। अचानक आई इस आपदा से हाइवे के दोनों छोरों पर वाहनों की लंबी कतार लगी हुई है। प्रवक्ता ने कहा है कि इस वजह से यह हाइवे सभी प्रकार की गाड़ियों के लिए बंद हो गया है। प्रशासन ने वाहनों की आवाजाही के लिए वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था की है। अगर किसी वाहन चालक को चंडीगढ़ से शिमला आना हो तो पिंजौर से बरोटीवाला, चंडी, कुनिहार

और टूटू सड़क मार्ग का प्रयोग किया जा सकता है।सोलन आने के लिए कुनिहार और सुबाथू वाली सड़क का इस्तेमाल किया जा सकता है। हल्के वाहन परवाणू से कसौली होते हुए धर्मपुर पहुंच सकते हैं। हिमाचल प्रदेश ट्रैफिक, टूरिस्ट और रेलवे पुलिस ने भी इस बारे में ट्वीट किया है। ट्वीट के अनुसार हाइवे से मलबा हटाया जा रहा है। फिलहाल यह रास्ता बंद है। मलबा हटाने के बाद सूचित किया जाएगा। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की रिपोर्ट के अनुसार राज्य में भूस्खलन की वजह से 321 सड़कें बंद हैं। लोकनिर्माण विभाग के शिमला जोन में सबसे ज्यादा 187 सड़कें बाधित हैं। मंडी जोन में 107, कांगड़ा जोन में 23 और हमीरपुर जोन में तीन सड़कों पर आवाजाही ठप है। प्रदेश में मानसून ने 24 जून को दस्तक दी थी। तब से अब तक राज्य के 76 स्थानों पर भूस्खलन हुआ है। 53 स्थान बाढ़ की चपेट में आए। इस वजह से 54 लोगों की जान चली गई। मानसून सीजन के दौरान सरकारी विभागों को 5722 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। मौसम विज्ञान विभाग ने आगामी तीन दिन राज्य के मैदानी एवं मध्य पर्वतीय क्षेत्रों में भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है।

ज्योति मौर्य की मुश्किलें बढ़ीं, 'लेनदेन' के लेखाजोखा की जांच शुरू, पति आलोक की थी शिकायत

लखनऊ। अपने पति आलोक मौर्य से विवाद और होमगार्ड कमांडेंट मनीष दुबे के साथ अफेयर को लेकर चर्चा में चल रहीं पीसीएस अधिकारी ज्योति मौर्य की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। मिली जानकारी के अनुसार आलोक की शिकायत पर ज्योति के खिलाफ एक और जांच शुरू हो रही है। यह शिकायत पैसों के लेनदेन को लेकर की गई थी। जांच प्रयागराज के कमिश्नर विजय विश्वास पंत करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नियुक्ति विभाग ने ज्योति के खिलाफ जांच के आदेश दिए हैं। आलोक मौर्य ने ज्योति पर नौकरी के दौरान अनियमित लेन-देने के आरोप लगाए थे। उन्होंने एक डायरी भी पेश की थी जिसमें लेनदेन का लेखाजोखा लिखा था। बताया जा रहा है जांच के लिए कमिश्नर ने अपने स्तर पर एक कमेटी गठित कर दी है।

क्या है मामला

पीसीएस अधिकारी ज्योति मौर्य के पति आलोक मौर्य ने पिछले दिनों आरोप लगाया था कि उनकी पत्नी

पीसीएस बनने के बाद उनसे अलग होना चाहती हैं। उनका होमगार्ड कमांडेंट मनीष दुबे के साथ अफेयर है और दोनों उनकी हत्या कराना चाहते हैं। आलोक ने कई फोरम पर ज्योति की शिकायतें की हैं। नियुक्ति विभाग से की गई अपनी शिकायत में आलोक ने अनियमित लेनदेन का भी उल्लेख किया है। आलोक का आरोप है कि ज्योति ने अपनी नौकरी के दौरान रुपयों का लेनदेन किया जिससे भ्रष्टाचार हुआ।

क्या है ज्योति-आलोक की कहानी

वाराणसी की रहने वाली ज्योति मौर्य की आलोक मौर्य से 2010 में शादी हुई थी। ज्योति ने 2015 में दो जुड़वा बेटियों को जन्म दिया। इसके एक साल बाद उन्होंने पीसीएस की परीक्षा पास कर ली। आलोक मौर्य से जुड़े लोगों का कहना है कि उन्होंने अपनी पत्नी को पढ़ाने के लिए काफी मेहनत की। कर्जा तक लिया लेकिन पीसीएस अधिकारी बनने के बाद ज्योति का व्यवहार बदल गया। पति-पत्नी की जिंदगी में असली बवडंर तब मचा जब होमगार्ड कमांडेंट मनीष दुबे से ज्योति का सम्पर्क हो गया। आलोक ने ज्योति पर नौकरी के दौरान अनियमित लेन देन का भी आरोप लगाया। यही नहीं यहां तक कहा कि दोनों मिलकर उनकी हत्या कराना चाहते हैं। उधर, ज्योति ने भी आलोक और अपने ससुरालवालों पर दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज करवा रखा है। फिलहाल दोनों का मामला अदालत में है। इस बीच आलोक की भाभी शुभ्रा मौर्य ने भी शादी के बाद से दहेज के लिए प्रताड़ित किए जाने का आरोप लगाया है। शुभ्रा के बयान पर भी कुछ समय पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। इस मामले की भी जांच चल रही है।

संपादकीय

जातिगत-गणना

बिहार में जातिगत-गणना पर रोक लगाने संबंधी तमाम याचिकाओं को खारिज करते हुए पटना उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को इस दिशा में आगे बढ़ने की इजाजत दे दी है। गौरतलब है, बिहार सरकार ने जनवरी 2023 से राज्य में जातियों के सर्वेक्षण की कवायद शुरू की थी और इस काम को मई तक पूरा भी हो जाना था, पर इसके खिलाफ याचिकाएं दायर होती गईं और न्यायालय ने अपीलकर्ताओं की चिंताओं को देखते हुए सुनवाई होने तक इस कवायद पर अंतरिम रोक लगा दी थी। हालांकि, तब तक सर्वे का प्रथम चरण पूरा भी हो गया था। जाहिर है, उच्च न्यायालय ने तो याचिकाओं की सुनवाई के बाद कानून के दायरे में अपना फैसला दिया है, पर राजनीति के लिहाज से इसके अर्थ गहरे हैं। इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि जो सियासी हस्तियां नीतीश सरकार की इस मुहिम की आलोचना कर रही थीं या जिन दलों के समर्थक तत्वों ने जातिगत-सर्वे को रुकवाने के लिए न्यायालय में आधा दर्जन याचिकाएं डाली थीं, वे भी अब आगे बढ़कर अदालती फैसले और इस सर्वेक्षण के हक में बातें कर रहे हैं। इस तथ्य से कोई इनकार नहीं कर सकता कि सत्ता-प्रतिष्ठानों के लिए किसी भी योजना की रूप-रेखा तैयार करने और उसके सफल क्रियान्वयन में प्रामाणिक आंकड़ों का सबसे अहम रोल होता है। सटीक आंकड़ों से न सिर्फ लक्षित आबादी के कल्याण की राह निष्कंटक हो सकती है, बल्कि राज्य के संसाधनों का अधिकतम सदुपयोग हो सकता है। अब तक विभिन्न तरह की जो गणनाएं हुई हैं, उनमें कई तरह की खामियां उजागर होती रही हैं। जैसे, अन्य पिछड़ा वर्ग को आरक्षण तो दे दिया गया, मगर उनकी आबादी का ठोस आंकड़ा नहीं है। बिहार सरकार की सबसे बड़ी चुनौती इस पूरी कवायद में पारदर्शिता की है। वैसे, मौजूदा दौर में पारदर्शिता सुनिश्चित करने में कोई परेशानी होनी नहीं चाहिए। कमोबेश तकनीकी तरक्की गांव-गांव तक पहुंच चुकी है और फिर अधिकतम लोगों के पास आधार कार्ड आदि के रूप में पुख्ता पहचान-पत्र है। ऐसे में, दोहराव की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। आशा है, इससे बिहार की एक मुकम्मल प्रामाणिक सामाजिक तस्वीर हमारे सामने होगी। इस कवायद के मूल में सामाजिक उत्थान के साथ-साथ राजनीतिक हित-साधन भी एक बड़ा मकसद है और बिहार में महागठबंधन सरकार इसका श्रेय लेने की पूरी कोशिश करेगी। विपक्षी पार्टियों का महागठबंधन (इंडिया) पहले ही राष्ट्रीय स्तर पर जातिगत गणना को अपना एक अहम मुद्दा घोषित कर चुका है। ऐसे में, आने वाले दिनों में धर्म और जाति के नाम पर गोलबंदी का नया दौर शुरू हो सकता है। मगर इस राजनीति की विडंबना यह है कि यह सामाजिक जकड़बंदी को ढीला करने के बजाय उसे और मजबूत करती है। हमारे पुरखों ने तो सोचा यही था कि भारतीय नागरिकों को इतनी अधिक सामाजिक आजादी हासिल होगी कि उन्हें विशेष प्रावधानों की जरूरत ही न रहे, मगर राजनीति ने जाति व आरक्षण को पहचान से इस कदर जोड़ दिया है कि अब इससे निकट भविष्य में छुटकारा संभव नहीं दिखता। ऐसे में, पटना उच्च न्यायालय के फैसले के बाद अब देश के दूसरे प्रदेशों में भी जातिगत-गणना की मांग बढ़ेगी और केंद्र सरकार के लिए मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं, क्योंकि वह जातियों-उपजातियों की जटिलताओं को हवाला देकर इससे बचती रही है।

आज का राशीफल

मेष
गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च करने के योग हैं। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे।

वृषभ
पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन
आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। किसी अभिन्न मित्र या रिश्तेदार से मिलाप की संभावना है।

कर्क
बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों से पीड़ा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रणय संबंध मधुर होंगे।

सिंह
व्यावसायिक योजना सफल होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या
रोजी रोजगार की दिशा में सफलता के योग हैं। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। दूसरों से सहयोग लेने में सफल रहेंगे।

तुला
शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। अपनों का सहयोग मिलेगा। वाणी की सौम्यता आपको धन लाभ करायेगी। व्यर्थ की भागदौड़ होगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक उन्नति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

धनु
पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा।

मकर
बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कुम्भ
दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खान-पान संयम रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। विरोधियों का पराभव होगा।

मीन
जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। आपके पराक्रम में वृद्धि होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

सावन के महीने में यादों के झूले

(लेखक - रमेश सर्राफ धमोरा)

पड़ गए झूले सावन रुत आई रे, सीने में हूक उठे अल्लाह दुहायी रे। ऐसे गाने सावन आते ही लोगों की जुबान पर खुद-ब-खुद आ जाते हैं। पहले सावन शुरू होते ही गांव की गलियों से लेकर शहरों तक झूले पड़ते थे। महिलाएं झूला झूलतीं और गाती थीं। सावन व भादो का महीना हमे प्रकृति के और निकट ले जाता है। झूले झूलने के दौरान गाये जाने वाले गीत मन को सुकून देते हैं। झूले गांव के बागीचों, मंदिर के परिसरों में डाले जाते थे।

सावन को बहुत पवित्र महीना माना जाता है। मान्यता है कि सावन में माता पार्वती ने भगवान शिव की तपस्या करके उन्हें पाया था। सावन दक्षिणायन में आता है जिसके देवता शिव हैं। इसीलिए इन दिनों उन्हीं की आराधना शुभ फलदायक होती है। सावन के महीने में बहुत वर्षा होती है। इसलिये इसे वर्षा ऋतु का महीना या पावस ऋतु भी कहा जाता है।

भारतीय संस्कृति में झूला झूलने की परम्परा वैदिक काल से ही चली आ रही है। श्री कृष्ण राधा संग झूला झूलते और गोपियों संग रास रचाते थे। मान्यता है कि इससे प्रेम बढ़ने के अलावा प्रकृति के निकट जाने एवं उसकी हरियाली बनाये रखने की प्रेरणा मिलती है। एक दौर था जब लोगों को सावन के महीने का बेसब्री से इंतजार रहता था। लड़कियां ससुराल से मायके आती थीं। लेकिन अब ये परंपरा खत्म होती जा रही है। अब न तो झूले पड़ते हैं और न गीत सुनाई देतें है।

सावन शुरू हो गया है लेकिन इसका एहसास ही नहीं हो रहा है। उमंग और खुमारी का संगम इसी महीने में हरियाली तीज पर खत्म होता था। सखियों को सुख-दुख बांटने, साथ बैठकर मेंहदी लगाने की परंपरा फिर गीत गाना सब गुम हो चुका है। बच्चे अब झूले नहीं वीडियो गेम में मस्त रहते हैं। महिला संगठन भी अब किटी पार्टी जैसे आयोजनों तक सीमित हैं। झूले की परम्परा लुप्त होने के पीछे सबसे प्रमुख वजह मनोरंजन के भरपूर साधनों का होना भी हैं।

सावन के आते ही गली-कूचों और बगीचों में मोर, पपीहा और कोयल की मधुर बोली के बीच युवतियां झूले का लुत्फ उठाया करती थीं। अब न तो पहले जैसे बाग-बगीचे रहे और न ही मोर की आवाज सुनाई देती है। अब बिना झूला झूले ही सावन गुजर जाता है। वन माफियाओं के चलते गांवों में भी बाग-बगीचे नहीं बचे हैं। जहां युवतियां झूला डाल कर झूल सके।

गांवों की बुजुर्ग महिलायें बताती हैं कि सावन आते ही बेटियां ससुराल से मायके बुला ली जाती थीं और पेड़ों पर झूला डाल कर झूलती थीं। त्योहार में बेटियों को ससुराल से बुलाने की परम्परा तो आज भी चली आ रही है। लेकिन जगह के अभाव में न तो कोई झूला झूल पाता है और न ही अब मोर, पपीहा व कोयल की सुरीली आवाज ही सुनने को मिलती हैं। दस साल पहले तक यहां रक्षाबंधन तक झूले का आनंद लिया जाता था। गांव के पेड़ पर मोटी रस्सी से झूला डाला जाता था और सारे गांव की बहन-बेटियां झूलती थीं। अब पेड़ ही नहीं हैं तो झूला कहां डालें। सावन के महीने में नवविवाहित महिलाओं को अपने मायके जाने की परम्परा राजस्थान में तो आज भी चली आ रही है।

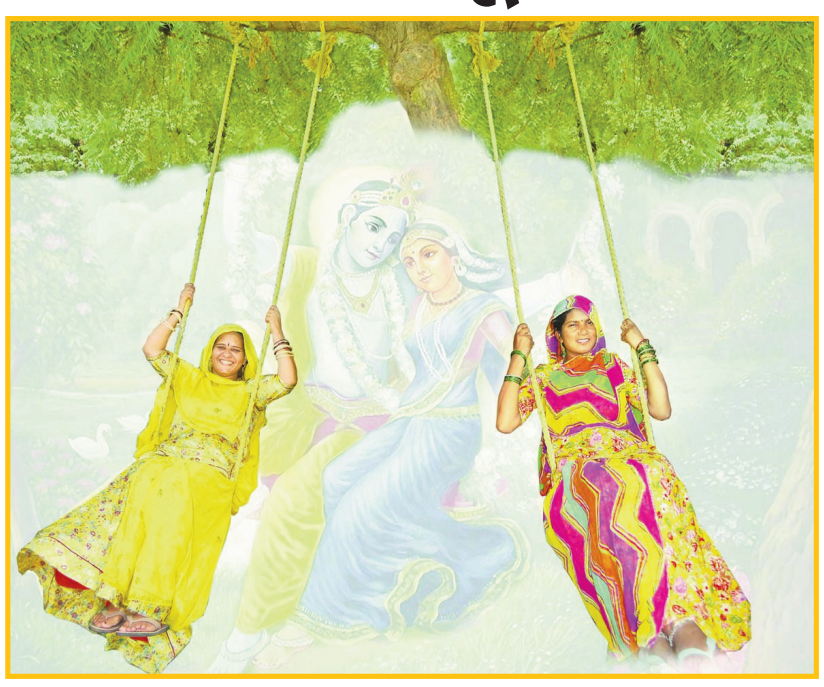

अब समय के साथ पेड़ गायब होते गए और उनके स्थान पर बहुमंजिला इमारतों के बनने से आंगन का अस्तित्व समाप्त हो गया। ऐसे में सावन के झूले भी यादें बनकर हमारी परम्परा से गायब हो रहे हैं। जन्माष्टमी पर मंदिरों में सावन की एकादशी के दिन भगवान को झूला झुलाने की परम्परा जरूर अभी भी निभाई जा रही है।

सावन में झूला झूलना मात्र आनंद की अनुभूति नहीं कराता अपितु यह स्वास्थ्यवर्धक प्राचीन योग भी है। सावन में चारो तरफ हरियाली छाई होती है। हरा रंग आंखों पर अनुकूल प्रभाव डालता है। इससे नेत्र ज्योति बढ़ती है। झूला झूलते समय श्वांस-उच्छवास लेने की गति में तीव्रता आती है। इससे फेफड़े सुदृढ़ होते हैं। इसके साथ ही झूलते समय श्वांस अधिक भरा, रोका एवं वेग से छोड़ा जाता है। इससे नवीन प्रकार का प्राणायाम पूर्ण हो जाता है जो स्वास्थ्य वर्धक है। झूलते समय रस्सी पर हाथों की पकड़ सुदृढ़ होती है। इसी प्रकार खड़े होकर झूलते समय झूले को गति देने बार-बार उठक-बैठक लगानी पड़ती हैं। इन क्रियाओं से एक ओर हाथ, हथेलियों और उंगलियों की शक्ति बढ़ती है वहीं दूसरी ओर हाथ-पैर और पीठ-रीढ़ का व्यायाम हो जाता है।

अब वक्त ने ऐसी करवट ली है कि सावन तो आता है पर अपने रंग नहीं बिखेर पाता। जिस सावन के आते ही नववधु ससुराल से मायके पहुंच जाती थी। अब वैसा सावन नही होता है। झूले की परम्परा लुप्त होने के साथ ही सावन भादों की खुशबू अब कहीं नहीं दिखती है। कुछ स्थानों को छोड़ कर लोग इसका आनंद नहीं ले पा रहे हैं। झूलों के नहीं होने से हमे लोक संगीत भी सुनने को नहीं मिलता है। आधुनिकता की दौड़ में प्रकृति के संग झूला झूलने की बात अब कहीं नहीं दिखती है। आज से दो दशक पहले तक झूलों और मेंहदी के बिना सावन की परिकल्पना भी नही होती थी।

आज के समय में सावन के झूले नजर नहीं आने का कारण जनसंख्या घनत्व में वृद्धि के साथ ही वृक्षों की कटाई हैं। लोग अब घर की छत पर या आंगन में लोहे के झूले पर झूलकर मन को संतुष्ट कर रहे हैं। बुद्धिजीवी वर्ग सावन के झूलों के लुप्त होने की प्रमुख वजह सुख सुविधा और मनोरंजन के साधनों में वृद्धि को मान रहे हैं।

झूला झूलने के खत्म हुए रिवाज के लिए गांवों में फैल रही वैमनष्यता भी जिम्मेदार हैं। पहले गांव के लोग हर बहन-बेटी को अपनी मानते थे लेकिन अब जमाना बदल गया है। जिसके हाथ में रक्षा सूत्र बांधा जाता है वही भक्षक बन जाता है। बाग-बगीचों के खात्मे के साथ जहां मोर-पपीहों की संख्या घटी है वहीं भाईचारे में कमी आई है। नतीजतन झूला-झूलने की परम्परा को ग्रहण लग गया है।

पहले संयुक्त परिवार में बड़े-बूढ़ों के सानिध्य में लोग एक दूसरे के घरों में एकत्रित होते थे। आज बढ़ती एकल परिवार की प्रवृति ने आपसी स्नेह को खत्म कर दिया है। महिलाएं सामुदायिक केन्द्रो में जाकर पर्व मनाती हैं। शहरों में अब झूले डालने के लिए जगह की तलाश करनी पड़ती है। अब तो पारम्परिक पहनावा भी आधुनिकता की भेंट चढ़ गया है। अब छुट्टी के दिन लोग परिवार के साथ बाग-बगीचों में जाकर सावन का त्यौहार मनाने की रस्म पूरी करते हैं। वर्षा ऋतु में सावन की खूबियां अब किताबों तक ही सीमित रह गई हैं। अब प्रकृति के साथ जीने की परम्परा भी थमती सी जा रही है।

आलेख :-
रमेश सर्राफ धमोरा
(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

3 अगस्त राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त जन्म जयंती

(लेखक - विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त का जन्म झांसी जिले के चिरगांव नामक स्थान पर 1886 ई. में हुआ था। इनके पिता जी का नाम सेठ रामचरण गुप्त और माता का नाम काशीबाई था। इनके पिता को हिंदी साहित्य से विशेष प्रेम था, गुप्त जी पर अपने पिता का पूर्ण प्रभाव पड़ा। इनकी प्राथमिक शिक्षा चिरगांव तथा माध्यमिक शिक्षा मैकडोनल हाईस्कूल (झांसी) से हुई। घर पर ही अंग्रेजी, बंगला, संस्कृत एवं हिंदी का अध्ययन करने वाली गुप्त जी की प्रारंभिक रचनाएं कोलकाता से प्रकाशित होने वाले वैश्योपकारक नामक पत्र में छपती थी। आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी जी के संपर्क में आने पर उनके आदेश, उपदेश एवं स्नेहमय परामर्श से इनके काम में पर्याप्त निखार आया। भारत सरकार ने इन्हें पदमभूषण से सम्मानित किया। 12 दिसंबर 1964 को मां भारती का सच्चा सपूत सदा के लिए पंचतत्व में विलीन हो गया।

साहित्यिक परिचय :-

गुप्त जी ने खड़ी बोली के स्वरूप के निर्धारण एवं विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। गुप्त जी की प्रारंभिक रचनाओं में इतिवृत्त कथन की अधिकता है। किंतु बाद की रचनाओं में लाक्षणिक वैचित्र्य एवं सुक्ष्म मनोभावों की मार्मिक अभिव्यक्ति हुई है। गुप्त जी ने अपनी रचनाओं में प्रबंध के अंदर गीतिकाव्य का समावेश कर उन्हें उत्कृष्टता प्रदान की है। गुप्त जी की चरित्र कल्पना में कहीं भी अलौकिकता के लिए स्थान नहीं है। इनके सारे चरित्र मानव हैं उनमें देव एवं दानव नहीं है। इनके राम,कृष्ण, गौतम आदि सभी प्राचीन और चिरकाल से हमारी श्रद्धा प्राप्त किए हुए पात्र हैं। इसलिए वे जीवन पर ना और स्फूर्ति प्रदान करते हैं। साकेत के राम ईश्वर होते हुए भी तुलसी की भांति आराध्य नहीं, हमारे ही बीच के एक व्यक्ति हैं।

कृतियां (रचनाएं) :-

गुप्तजी ने लगभग 40 मौलिक काव्य ग्रंथों में भारत भारती (1912), रंग में भंग (1909), जयद्रथ वध, पंचवटी, झंकार, साकेत, यशोधरा, द्वापर, जय भारत, विष्णु प्रिया आदि उल्लेखनीय हैं।

भारत भारती मे हिंदी भाषियों में जाति और देश के प्रति गर्व और गौरव की भावना जगाई। रामचरितमानस के पश्चात हिंदी में राम काव्य का दूसरा प्रसिद्ध उदाहरण साकेत है। यशोधरा और साकेत मैथिलीशरण गुप्त ने दो नारी प्रधान काव्य की रचना की।

भाषा शैली :-

हिंदी साहित्य में खड़ी बोली को साहित्यिक रूप देने में गुप्त जी का महत्वपूर्ण योगदान है। गुप्त जी की भाषा में माधुर्य भाव की तीव्रता और प्रयुक्त शब्दों का सुंदर अद्भुत है।

वे गंभीर विषयों को भी सुंदर और सरल शब्दों में प्रस्तुत करने में सिद्धहस्त थे। इनकी भाषा में लोकोक्तियां एवं मुहावरे को के प्रयोग से जीवंतता आ गई है। गुप्तजी मूलत- प्रबन्धकार थे, लेकिन प्रबंध के साथ-साथ मुक्तक, गीति, गीतिनाट्य, नाटक आदि क्षेत्र में भी उन्होंने अनेक सफलताएं की हैं। इनकी रचना पत्रावली पत्र शैली में रचित नूतन काव्य शैली का नमूना है। इनकी शैली में गेयता, प्रवाहमयता एवं संगीतत्मकता विद्यमान है।

हिंदी साहित्य में स्थान :-

मैथिलीशरण गुप्त जी की राष्ट्रीयता की भावना से ओतप्रोत रचनाओं के कारण हिंदी साहित्य में इनका विशेष स्थान है। हिंदी काम राष्ट्रीय भावों की पुनीत गंगा को बहाने का श्रेय गुप्तजी को ही हैं। अतः ये सच्चे अर्थों में लोगों में राष्ट्रीय भावनाओं को भरकर उनमें जनजागृति लाने वाले राष्ट्रकवि हैं। इनके काव्य हिंदी साहित्य की अमूल्य निधि है।

राष्ट्रप्रेम गुप्त जी की कविता का प्रमुख स्वर है। भारत भारती में प्राचीन भारतीय संस्कृति का प्रेरणाप्रद चित्रण हुआ है। इस रचना में व्यक्त स्वदेश प्रेम ही इनकी पर्वती रचनाओं में राष्ट्रप्रेम और नवीन राष्ट्रीय भावनाओं में परिणत हो गया। उनकी कविता में आज की समस्याओं और विचारों के स्पष्ट दर्शन होते हैं। गांधीवाद तथा कहीं-कहीं आर्य समाज का प्रभाव भी उन पर पड़ा है। अपने काव्य की कथावस्तु गुप्त जी ने आज के जीवन से ना लेकर प्राचीन इतिहास अथवा पुराणों से ली है। यह अतीत की गौरव गाथाओं को वर्तमान जीवन के लिए मानवतावादी एवं नैतिक प्रेरणा देने के उद्देश्य से ही अपना आते हैं।

नारी के प्रति गुप्त जी का हृदय सहानुभूति और करुणा से आप्लावित हैं। यशोधरा, उर्मिला, कैकयी, विधृता।

मैथिलीशरण गुप्त जी पर गांधी जी का भी गहरा प्रभाव पड़ा था इसलिए उन्होंने राष्ट्रीय आंदोलन में भाग लिया और कारावास की यात्रा भी की थी। यह एक सच्चे राष्ट्र कवि भी थे। इनके काम हिंदी साहित्य की अमूल्य निधि माने जाते हैं। महान ग्रंथ भारत भारती में इन्होंने भारतीय लोगों की जाती और देश के प्रति गर्व और गौरव की भावना जताई है। अंतिम काल तक राष्ट्र सेवा में अथवा काव्य साधना में लीन रहने वाले और राष्ट्र के प्रति अपनी रचनाओं को समर्पित करने वाले राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त जी 12 दिसंबर सन 1964 ईस्वी को अपने राष्ट्र को अलविदा कह गए।

कवि मैथिलीशरण गुप्त की रचनाएं :-

यशोधरा,रंग में भंग,साकेत,भारत भारती,पंचवटी,जय भारत,पृथ्वी पुत्र,किसान,हिंदू,चंद्रहास,द्वापर

कुणालगीत आदि पुरस्कार

इलाहाबाद विश्वविद्यालय से इन्हें डी. लिट की उपाधि प्राप्त हुई थी।

सन 1952 में गुप्त जी राज्यसभा में सदस्य के लिए मनोनीत भी हुए थे।

1954 में उन्हें पद्म भूषण सम्मान से सम्मानित किया गया था।

हिंदी साहित्य में खड़ी बोली को साहित्यिक रूप देने में गुप्त जी का महत्वपूर्ण योगदान है। गुप्त जी की भाषा में माधुर्य भाव की तीव्रता और प्रयुक्त शब्दों का सुंदर अद्भुत है।

वे गंभीर विषयों को भी सुंदर और सरल शब्दों में प्रस्तुत करने में सिद्धहस्त थे। इनकी भाषा में लोकोक्तियां एवं मुहावरे को के प्रयोग से जीवंतता आ गई है। गुप्तजी मूलत- प्रबन्धकार थे, लेकिन प्रबंध के साथ-साथ मुक्तक, गीति, गीतिनाट्य, नाटक आदि क्षेत्र में भी उन्होंने अनेक सफलताएं की हैं। इनकी रचना पत्रावली पत्र शैली में रचित नूतन काव्य शैली का नमूना है। इनकी शैली में गेयता, प्रवाहमयता एवं संगीतत्मकता विद्यमान है।

मैं मनुष्यता को सुरत्व की
जननी भी कह सकता हूँ
किन्तु पतित को पशु कहना भी
कभी नहीं सह सकता हूँ।
चारुचंद्र की चंचल किरणें, खेल रहीं हैं जल थल में,
स्वच्छ चाँदनी बिछी हुई है अवनि और अम्बरतल में।
पुलक प्रकट करती है धरती, हरित तृणों की नोकों से,
मानों झीम रहे हैं तरु भी, मन्द पवन के झोंकों से॥

समान नागरिक संहिता पर सरकार की चुप्पी

- सनत जैन

समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर पिछले महीनों में मीडिया में बड़ी चर्चा की गई। टीवी चैनलों ने कई प्रोग्राम इसको लेकर आयोजित किए। उत्तराखंड सरकार ने समान नागरिक संहिता का मसौदा तैयार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त जज जस्टिस रंजना देसाई की अध्यक्षता में कमेटी बनाई। इस कमेटी को 15 जुलाई तक अपनी रिपोर्ट राज्य सरकार को देनी थी। पिछले 1 महीने का समय लोगों को आपत्ति और सुझाव के लिए दिया गया था। पहली बार इस कानून को लेकर बड़े पैमाने पर करोड़ों लोगों ने अपने सुझाव और आपत्ति भेजें हैं। विधि आयोग हैरान है,कि किसी एक कानून के बारे में पहली बार उसे इतने बड़े पैमाने पर सुझाव और आपत्ति भेजी गई हैं। इसका निराकरण वह किस तरीके से करे। मध्य प्रदेश के दौरे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समान नागरिक संहिता को लेकर भोपाल में बड़ा बयान दिया था। यह कहा जा रहा था, कि संसद के मानसून सत्र में सरकार इस बिल को लेकर आएगी। मीडिया में लगातार बहस चलाई जाती रही। केंद्र सरकार अभी तक कानून का मसौदा तैयार नहीं कर पाई है। सुनियोजित रूप से मीडिया के हवाले से खबरें चलवा कर और बहस करवाकर जो माहौल बनाया गया था, एकाएक वह माहौल ठंडा पड़ गया है। अब ना तो सरकार कोई बात कर रही है, ना ही मीडिया कोई बात कर रहा है। जस्टिस रंजना प्रकाश देसाई की रिपोर्ट को लेकर भी कोई चर्चा नहीं हो रही है। उत्तराखंड सरकार ने भी पूरी तरह से चुप्पी साध ली है। विधि आयोग भी कोई बात नहीं कह रहा है। विधि आयोग को एक करोड़ से ज्यादा सुझाव और आपत्तियां मिली हैं। अब यह कहा जा रहा है,कि उसकी छटनी और विषयवार ब्यौरा तैयार किया जा रहा है। जून माह के बाद से प्रधानमंत्री ने भी समान नागरिक संहिता को लेकर कोई बयान नहीं दिया। भाजपा नेताओं ने भी एकाएक इस मुद्दे पर मौन साध लिया है। पहले यह माना जा रहा था, कि समान नागरिक संहिता का विरोध केवल मुसलमान करेंगे। लोकसभा चुनाव में इसका लाभ धार्मिक ध्रुवीकरण के रूप में भाजपा को मिलेगा, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। सिख समुदाय, जैन समुदाय, आदिवासियों और बौद्ध समुदाय ने भी इसके विरोध में अपने स्वर मुखर किए हैं। देश के 11 राज्यों में धारा 371 के तहत जो विशेष अधिकार उस राज्य के निवासियों और आदिवासियों को दिए गए हैं, उसको जब तक समाप्त नहीं किया जाता है। तब तक समान कानून सं हिता कानून को लागू ही नहीं किया जा सकता है। संसदीय समिति के अध्यक्ष सुशील मोदी ने भी आदिवासियों को समान नागरिक संहिता कानून से अलग रखने की मांग की है। मेघालय, नागालैंड, मिजोरम आदि पूर्वोत्तर राज्यों से भी आपत्ति की गई है। सभी पूर्वोत्तर राज्य अपने विशेष अधिकारों को छोड़ने के लिए तैयार नहीं हैं। हिंदू कोड बिल के विशेष प्रावधान को छोड़ने हिंदू समुदाय भी इसके विरोध में है। समान नागरिक संहिता कानून को लेकर देशभर में बड़े स्तर पर विरोध हुआ है। उसके बाद सरकार ने भी इस मामले में चुप्पी साधने में ही भलाई समझी है। समान नागरिक संहिता के मुद्दे को सरकार ने अब ठंडे बस्ते में डाल दिया है। एक करोड़ से ज्यादा जो सुझाव और आपत्ति विधि आयोग को मिली हैं। इनका भी वैधानिक तरीके से निपटारा किया जाना जरूरी है। यदि सरकार ने ऐसा नहीं किया, तो आगे चलकर समान नागरिक संहिता कानून को ज्यादा लंबे समय तक टिकाए रख पाना, सरकार के लिए संभव नहीं होगा। लोकसभा चुनाव 2024 को देखते हुए धार्मिक ध्रुवीकरण को ध्यान में रखते हुए समान नागरिक संहिता कानून की जो हवा बनाई गई थी, वह हवा अब शांत हो गई है। लोकसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए भाजपा ने अपने तरकश के लिये जो तीर तैयार किये थे, उसमें समान नागरिक संहिता का तीर अब मुफीद नहीं रहा।

रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश 41 प्रतिशत घटा

मुंबई । रियल एस्टेट क्षेत्र में संस्थागत निवेश चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में सालाना आधार पर 41 प्रतिशत घटकर 1.6 अरब डॉलर रहा। हालांकि तिमाही आधार पर इसमें 33 प्रतिशत वृद्धि हुई है। रियल एस्टेट सलाहकार फर्म ने कहा कि अप्रैल-जून तिमाही में इस क्षेत्र को मिले कुल संस्थागत निवेश में 92 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ विदेशी निवेशकों का दबदबा रहा, क्योंकि निवेशक भारत की वृद्धिगाथा को लेकर उत्साहित हैं। रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश पिछले साल जून तिमाही के दौरान 2.7 अरब डॉलर और इस साल जनवरी-मार्च अवधि में 1.2 अरब डॉलर था। वेस्टियन ने कहा कि भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र ने बाजार की अनिश्चितता के सामने उल्लेखनीय लचीलापन दिखाया है। जून तिमाही के दौरान मार्च तिमाही की तुलना में संस्थागत निवेश में वृद्धि देखी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल-जून तिमाही के दौरान संस्थागत निवेश 1.6 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो उससे पहले की तिमाही के मुकाबले 33.3 प्रतिशत अधिक है। हालांकि संस्थागत निवेश में सालाना आधार पर 40.7 प्रतिशत की गिरावट देखी गई, जो बाजार में एक निश्चित स्तर की अस्थिरता को दर्शाता है।

विन्सिस आईटी सर्विसेज इंडिया के आईपीओ की धूम

नई दिल्ली । आईटी कंपनी विन्सिस आईटी सर्विसेज इंडिया के आईपीओ ने शेयर बाजार में खुलते ही धूम मचा दी। कंपनी का आईपीओ 1 अगस्त को खुलकर कुछ ही घंटों के अंदर यह पूरा सब्सक्राइब हो गया। इसके अलावा, जीएमपी में भी इसमें जबरदस्त उछाल देखने को मिला। विन्सिस आईटी सर्विसेज इंडिया आईपीओ के शेयरों में निवेशक 4 अगस्त तक बोली लगा सकते हैं। विन्सिस आईटी सर्विसेज इंडिया के आईपीओ को ओपनिंग के दिन ही 100 फीसदी से अधिक सब्सक्रिप्शन मिल गया था। आकड़ों के अनुसार, मंगलवार की शाम 4 बजे तक कंपनी का आईपीओ 2.06 गुना सब्सक्राइब किया जा चुका था। बता दें कि रिटेल सेक्शन में आईपीओ को 3.91 सब्सक्राइब किया जा चुका था, जबकि क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटगरी में 0.01 गुना और एनआईआई के लिए आरक्षित हिस्से सा 0.47 गुना भर चुका था।विन्सिस आईटी सर्विसेज इंडिया आईपीओ का प्राइस बैंड 121 रुपये से 128 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। इसके अलावा, आईपीओ के लिए कंपनी ने 1000 शेयरों का लॉट साइज बनाया है। इसका मतलब यह है कि रिटेल निवेशकों को अपर प्राइस बैंड के हिसाब से निवेशकों को कम से कम 128,000 रुपये का इन्वेस्टमेंट करना पड़ रहा है। कंपनी का लक्ष्य कंपनी के नए शेयर जारी करके 49.84 करोड़ रुपये जुटाने का है। शेयर आवंटन को अंतिम रूप 9 अगस्त 2023 को मिलने की संभावना है।

2,925 कंपनियों को मिले यमुना अथॉरिटी से भूखंड, 10 में उत्पादन शुरु

ग्रेटर नोएडा । यमुना प्राधिकरण ने 2,925 कंपनियों को भूखंड आवंटित किए थे, जिनमें से अभी तक 10 यू निटों ने काम करना शुरु कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार यमुना प्राधिकरण ने आज तक कि अपने यहां औद्योगिक इकाइयों को आवंटित भूखंडों की स्थिति साफ करते हुए औद्योगिक इकाइयों के पंजीकरण और उनमें उत्पादन की स्थिति के आंकड़े जारी किए हैं। यमुना अथॉरिटी के सीईओ डॉ. अरुण वीर सिंह ने बताया कि अब तक अथॉरिटी ने कुल 2,925 कंपनियों को भूखंड आवंटित किए हैं। इनमें से 1,525 को चेक लिस्ट जारी की जा चुकी है। जिससे आवंटी रजिस्ट्री के लिए तैयारी कर सकेंगे। उन्होंने बताया कि अब तक 645 आवंटियों ने औद्योगिक भूखंडों की रजिस्ट्री भी करा ली है। सीईओ ने बताया है कि अभी करीब 10 कंपनियों ने अपना ले क्षित उत्पादन शुरू कर दिया है। अथारिटी के सीईओ ने कहा है कि अगले छह महीने के 100 कंपनियों में उत्पादन शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। ये सभी औद्योगिक इकाइयां यमुना अथॉरिटी के सेक्टर 24, 24ए, 29, 32, 33 और सेक्टर 28 में हैं। उन्होंने बताया कि आने वाले समय में और भी औद्योगिक इकाइयां यमुना अथॉरिटी में अपनी फैक्ट्री लगा सकें और लाखों लोगों को रोजगार मिल सके और साथ ही साथ हजारों करोड़ का निवेश आ सके इसके लिए भी यमुना अथॉरिटी लगातार जमीनों का अधिग्रहण कर रही हैं।

अब तक 2 हजार के 88 प्रतिशत नोट ही वापस लौटे, 42 हजार करोड़ का हो रहा इंतजार

नई दिल्ली ।

आरबीआई ने कहा है कि 2 हजार रुपये मूल्य वर्ग के अभी तक 88 फीसदी नोट ही वापस आए हैं, जबकि 42 हजार करोड़ रुपयों की वापसी के लिए इंतजार किया जा रहा है। 30 सितंम्बर के बाद इनकी वैल्यू जीरो हो जाएगी। आरबीआई ने बताया कि 31 जुलाई 2023 तक 2000 रुपए के कुल 88 फीसदी नोट्स बैंकिंग सिस्टम में वापस लौट चुके हैं। आरबीआई के मुताबिक 19 मई 2023 तक कुल 3.56 लाख करोड़ रुपए के 2,000 रुपए के नोट्स सर्कुलेशन में थे और 31 जुलाई 2023 तक 3.14 लाख करोड़ रुपए के 2000 के नोट बैंकों में वापस आ चुके हैं। अब 42000 करोड़ रुपए के नोट केवल सर्कुलेशन में बचे हुए है। 30 सितंबर 2023 2,000 के नोट जमा करने, एक्सचेंज करने की आखिरी तारीख है। आरबीआई ने 2000 रुपए नोटों को लेकर स्टेटस जारी करके कहा कि 19 मई, 2023 को आरबीआई ने 2,000 रुपए के नोटों को वापस लेने का ऐलान किया था। 31 मार्च 2023 तक कुल 3.62 लाख करोड़ रुपए के 2,000 रुपए के नोट सर्कुलेशन में मौजूद था जो 19 मई 2023 को घटकर 3.56 लाख करोड़ रुपए रह गया।

आरबीआई के अनुसार बैंकों से जो डेटा प्राप्त हुआ है उसके मुताबिक 31 जुलाई 2023 तक कुल 3.14 लाख करोड़ रुपए के नोट्स सर्कुलेशन से वापस बैंकिंग सिस्टम में लौट चुका है।

अब केवल 42,000 करोड़ रुपए के नोट सर्कुलेशन में बचा हुआ है।

ऐसे में 19 मई 2023 को आरबीआई के 2,000 रुपए के नोटों को वापस लेने के ऐलान से लेकर अबतक 88 फीसदी नोट वापस किया जा चुका है। आरबीआई ने बताया कि 2,000 रुपए के नोट जो वापस आए हैं उसमें से 87 फीसदी नोट बैंक खातों में डिपॉजिट कर जमा किया गया है जबकि 13 फीसदी 2000 रुपए के नोट दूसरे नोटों के साथ एक्सचेंज किया गया है।

सोने-चांदी की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में बुधवार को सोने-चांदी की कीमतों में तेजी आई है। एमसीएक्स पर सोने के दाम हल्की तेजी के साथ ही 58950 रुपए के ऊपर पहुंच गये हैं। वहीं इसी प्रकार चांदी की कीमत में भी बढ़त रही। एमसीएक्स पर चांदी के दाम 300 रुपए बढ़े हैं जिससे ये 74248 रुपए प्रति किलोग्राम के ऊपर पहुंच गयी है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी में तेजी दर्ज की गयी है। कॉमैक्स पर सोना 0.27 फीसदी उछाल के साथ ही 1,984.15 डॉलर प्रति औंस पर है। सोने के ये दाम इसके दिसंबर वायदा के लिए हैं। इसके अलावा चांदी में भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में बढ़त रही है। कॉमैक्स पर चांदी की कीमतों में 0.50 फीसदी का उछाल आया है और ये 24.448 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गयी है।

फिच ने अमेरिका की क्रेडिट रेटिंग कम की...व्हाइट हाउस नाराज

नई दिल्ली । विश्व की सबसे बड़ी इकोनॉमी अमेरिका को क्रेडिट एजेंसी फिच की ओर से तगड़ा झटका लगा है। फिच ने यूएस की क्रेडिट रेटिंग को एएए से कम करके एए प्लस कर दिया है। गौरतलब है अमेरिका पर कर्ज की जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है और दो महीने पहले देश में बड़ा कर्ज संकट देखने को मिला था। इसके बाद क्रेडिट रेटिंग ने इकोनॉमी के हालात को देखकर रेटिंग कम करने का फैसला किया है। फिच विश्व की तीन बड़ी स्वतंत्र एजेंसियों में से एक है जो अलग-अलग देशों की वित्तीय हालात को देखकर उन्हें रेटिंग देने का काम करती है। मई में अमेरिकी सरकार पर कर्ज का दबाव बहुत ज्यादा बढ़ गया था। इसके बाद कर्ज की सीमा को बढ़ाने के लिए बाइडन सरकार और रिपब्लिकन पार्टी के बीच भारी खींचतान हुई थी। मगर बाद में दोनों पार्टियों के बीच समझौते के बाद देश की कर्ज सीमा को बढ़ाकर 31.4 ट्रिलियन डॉलर कर दिया गया था। इस राजनीतिक अस्थिरता और गतिरोध के कारण अमेरिका पहली बार डिफॉल्ट होने की कगार पर पहुंचा था। इसके बाद अमेरिकी सरकार में पैसे लगाने वालों के बीच नकारात्मक असर पड़ा है। इसका असर फिच की क्रेडिट रेटिंग पर भी दिखा रहा है। फिच की क्रेडिट रेटिंग में कटौती के बाद व्हाइट हाउस ने इसपर अपनी असहमति जताकर कहा है कि एसेंजी ने रेटिंग देते वक्त मनमानी की है। वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने कहा कि एजेंसी ने पुराने डेटा को देखकर अपनी रेटिंग का निर्धारण किया है जो कि गलत है। ध्यान देने वाली बात ये है कि साल 2011 में एक रेटिंग एजेंसी ने अमेरिका की क्रेडिट रेटिंग को कम करके एएप्लस कर दिया था। गौरतलब है कि निवेश के लिहाज विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अमेरिका सबसे सुरक्षित माना जाता है।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद

सेंसेक्स 650 , निफ़्टी 207 नीचे आया

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को भारी गिरावट दर्ज की गयी। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आयी है। इसके अलावा अमेरिकी रेटिंग एजेंसी के क्रेडिट रेटिंग घटाने से भी दुनिया भर के बाजारों पर दबाव आया है। फिंच के अनुसार कर्ज और वित्तीय स्थिति को देखते हुए ही ये रेटिंग कम की गयी है। इसका प्रभाव भी भारतीय बाजार पर भी पड़ा है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1.02 फीसदी करीब 676.53 अंक की गिरावट के साथ ही 65,782.78 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 65,431.68 अंक तक नीचे आया। वहीं इसी प्रकार प्रचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी भी 1.05 फीसदी तकरीबन 207.00 अंक नीचे आकर 19,526.55 पर बंद हुआ। आज के कारोबार के दौरान सेंसेक्स की कंपनियों में ज्यादातर के शेयर में गिरावट रही। टाटा स्टील के शेयर में सबसे अधिक 3.25 फीसदी की गिरावट आई। इसके अलावा टाटा मोटर्स का स्टॉक भी 3.12 फीसदी नीये आया। बजाज फिनसर्व, एनटीपीसी, एसबीआई, जेएसडब्ल्यू स्टील, एल एंड टी, भारतीय एयरटेल, टाइटन, विप्रो, एचडीएफ़सी बैंक, एक्सिस बैंक, कोटक बैंक के शेयरों में भी गिरावट रही। वहीं दूसरी ओर नेस्ले इंडिया का शेयर सबसे 1.15 फीसदी ऊपर आये। इसके साथ ही एशियन पेंट्स, हिन्दुस्तान यूनिलीवर, टेक महिंद्रा के शेयर भी लाभ पर बंद हुए। इसके अलावा

अन्य एशियाई और यूरोपीय बाजारों गिरावट रही।

इससे पहले आज सुबह घरेलू शेयर बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। सेंसेक्स 294.40 अंक करीब 66,150.57 के स्तर पर था जबकि निफ्टी 86.25 अंक तकरीबन 0.44 फीसदी नीचे आकर 19647.40 के स्तर पर कामकाज कर रहा था। प्री-ओपनिंग में बाजार में गिरावट आई। सेंसेक्स 303.84 अंक करीब 0.46 फीसदी की गिरावट के साथ 66,155.47 के स्तर पर कारोबार कर रहा था जबकि निफ्टी 20.15 अंक यानी 0.10 फीसदी की गिरावट के साथ 19713.40 के स्तर पर कारोबार कर रहा था।वहीं गत दिवस भी बाजार गिरावट पर बंद हुए थे।

अडानी ने किया एलआईसी को खस्ताहाल.....इंजीनियर्स इंडिया ने किया मालामाल

मुंबई ।

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने जून तिमाही में मेटल, केमिकल, आईटी और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है। रिपोर्ट के मुताबिक कम से कम 40 शेयरों में एलआईसी ने अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई हैं, जबकि 75 शेयरों में निवेश कम किया है। इस साल एलआईसी को सबसे ज्यादा नुकसान अडानी ग्रुप के शेयरों में हुआ है, जबकि औसत के हिसाब से सबसे ज्यादा कमाई इंजीनियर्स इंडिया से हुई है। एलआईसी के पोर्टफोलियो में शामिल 12 शेयरों में 50 प्रतिशत से ज्यादा तेजी आई है। एलआईसी ने जून तिमाही में सबसे ज्यादा हिस्सेदारी कोठारी इंडस्ट्रियल कॉरपोरेशन में बढ़ाई है। फर्टिलाइजर बनाने वाली इस कंपनी में एलआईसी ने 4.09 फीसदी हिस्सेदारी बढ़ाई है। साथ ही कंपनी ने टाटा केमिकल्स में 3.01 प्रतिशत, सेल में 2.4 प्रतिशत, बाटा इंडिया में 1.73 प्रतिशत और आईईएक्स में 1.64 प्रतिशत हिस्सेदारी बढ़ाई है। इसके साथ ही कंपनी ने टेक महिंद्रा, एलएंडटी टेक्नोलॉजी, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, टाटा पावर, इंफोसिस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा स्टील, विप्रो, टीसीएस और एचसीएल टेक्नोलॉजीज में जून तिमाही में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है। इस दौरान कंपनी ने टीवीएस मोटर, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज, आरवीएनएल, टाटा कम्युनिकेशंस, एलएंटी, टाइटन, टाटा मोटर्स, आईसीआईसीआई बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज में अपनी हिस्सेदारी कम की है।औसत के हिसाब से इस साल एलआईसी की सबसे ज्यादा कमाई इंजीनियर्स इंडिया से हुई है। यह स्टॉक इस साल अब तक 96 प्रतिशत चढ़ चुका है। इसमें एलआईसी की हिस्सेदारी 4.34 परसेंट बनी हुई है। इसी तरह अरबिंदो फार्मा के शेयरों में इस साल अब तक 91 प्रतिशत तेजी आई है। इसमें एलआईसी की 5.55 प्रतिशत हिस्सेदारी है। एलआइसी के पोर्टफोलियो में शामिल 12 शेयरों में इस साल 50 प्रतिशत से ज्यादा तेजी आई है। इसमें ग्लेनमार्क फार्मा, आरवीएनएल, सुजलॉन एनर्जी, टाटा मोटर्स, एचएएल और एलएंडटी फाइनेंस होल्डिंग्स शामिल है। जून तिमाही में एलआईसी ने आईटीसी में अपनी हिस्सेदारी में एक बीपीएस की कमी की है और यह 15.26 प्रतिशत रह गई है। यह शेयर इस साल 41 फीसदी चढ़ चुका है।

अडानी ग्रुप के शेयर एलआईसी को पोर्टफोलियो में सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले शेयरों में शामिल रहे।

रॉयल एनफील्ड भी ला रही इलेक्ट्रिक बाइक

नई दिल्ली । दुनिया भर में इलेक्ट्रिक बाइक्स का भी क्रेज लगातार बढ़ रहा है और ज्यादातर मेजर टू-व्हीलर ब्रांड्स अपनी इलेक्ट्रिक बाइक्स बाजार में उतार रही हैं, इसलिए, रॉयल एनफील्ड भी अपनी इलेक्ट्रिक बाइक लाने की प्लानिंग कर रही है। कंपनी की पहली इलेक्ट्रिक बाइक का इंतजार सभी को हैं।अब हाल ही में रॉयल एनफील्ड बाइक के इलेक्ट्रिक वर्जन का वीडियो सामने आया है।यह वीडियो यूट्यूब पर पोस्ट किया गया है।बाइकविथगर्ल्स यूट्यूब चैनल पर इलेक्ट्रिक रॉयल एनफील्ड नजर आई।वीडियो में दिखाई गई रॉयल एनफील्ड इलेक्ट्रिक बुलेट इंडिया की पहली ऑल इलेक्ट्रिक बुलेट है।बाइक ओनर ने कहा कि उन्हें एक ईवी मोटरसाइकिल लेने का मन था लेकिन उसे नई ईवी बाइक का बॉक्सी लुक पसंद नहीं आता। इसलिए, उन्होंने ईवी मोटरसाइकिल का अपना वर्जन तैयार किया। बता दें कि रॉयल एनफील्ड भारत में सबसे पॉपुलर ब्रांड्स में से एक है। रॉयल एनफील्ड से भारत का रिश्ता भी बहुत पुराना हैं। साल 1949 में पहली बार ग्रेट ब्रिटेन से रॉयल एनफील्ड बाइक्स को इंपोर्ट किया गया था।इसके बाद से कंपनी की बाइक्स भारतीय टू-व्हीलर मार्केट का महत्वपूर्ण हिस्सा रही हैं।

भारत में निवेश के लिए एप्पल की रणनीति अपना सकती हैं टेस्ला

भारत में बड़े पैमाने पर निवेश की तैयारी

नई दिल्ली ।

अरबपति उद्योगपति एलन मस्क की लग्जरी कार कंपनी टेस्ला भारत में एक फैक्ट्री स्थापित करना चाहती है और इसके लिए यह भारत के साथ कई हफ्तों से बातचीत कर रही है। ऐसी उम्मीद हैं कि कंपनी भारत में प्लांट बनाकर यहां से स्थानीय बिक्री और निर्यात के लिए 24,000 डॉलर की कार बनाएगी। टेस्ला फाउंडर मस्क कंपनी के विदेश में सबसे बड़े बेस चीन से बढ़कर दूसरे देशों में भी फैक्टरियां खोलना चाहते हैं, लेकिन वहां, विस्तार के लिए रेगुलेटर्स की मंजूरी मिलने में देरी हो रही है। इसके बाद अगर टेस्ला भारत में एक प्लांट लगाती है और सस्ते इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए लागत को नियंत्रण में रखती है, तब चीनी सप्लायर्स महत्वपूर्ण हो सकते हैं। भारत सरकार इलेक्ट्रिक वाहनों पर विशेष फोकस कर रही है। लेकिन, भारत में बैटरी सेल जैसे कंपोनेंट के लिए लोकल सप्लाई नहीं हैं, यहां तक कि भारत की सबसे बड़ी ईवी मैन्युफैक्चरर, टाटा मोटर्स भी इन्हें चीन से आयात करती है। हालांकि, भारत-चीन के तनावपूर्ण संबंधों से टेस्ला की चीनी सप्लायर्स को लाने की योजना में और मुश्किल आने का खतरा है। इसके बाद माना जा रहा है कि भारत टेस्ला के विदेशी वेंडर्स, विशेष रूप से चीनी वेंडर्स को देश में महत्वपूर्ण कंपोनेंट की मैन्युफैक्चरिंग को मंजूरी देने पर विचार कर सकता है, लेकिन सरकार किसी भी कंपनी-विशिष्ट छूट के पक्ष में नहीं है। मामले के जानकार लोगों के हवाले से मिली रिपोर्ट में बताया गया कि अगर कोई महत्वपूर्ण पार्ट्स वेंडर भारत आना चाहता है, तब सरकार इस पर विचार कर सकती है लेकिन किसी एक कंपनी को कोई टैक्स में प्रोत्साहन जैसी छूट नहीं दिया जा सकता है।

गौरतलब है कि भारत ने अपने चीनी वेंडर्स को देश में शिफ्ट करने में मदद करने के लिए एप्पल को प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) मंजूरी में एक विशेष छूट प्रदान की है। इसके बाद मामले की प्रत्यक्ष जानकारी रखने वाले तीन सरकारी सूत्रों ने कहा कि टेस्ला को भारत में प्लांट लगाने के लिए एप्पल जैसी रणनीति अपनानी चाहिए। अधिकारियों ने कहा कि टेस्ला के साथ शामिल किसी भी चीनी सप्लायर्स के साथ साझेदारी करने के लिए लोकल फर्मों को खोजने में एप्पल जैसी नीति अपनानी चाहिए। भारतीय अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने एक समाधान सुझाया है जिसमें टेस्ला एप्पल की स्ट्रैटेजी पर चल सकती है। हाल के महीनों में अमेरिकी स्मार्टफोन दिग्गज ने लोकल जॉइंट वेंचर पार्टनर मिलने के बाद चीनी सप्लायर्स को भारत में लाने के लिए मंजूरी प्राप्त की है। बता दें कि भारत में टेस्ला कार के कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग की चर्चा टेस्ला के सीईओ मस्क की भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद शुरू हुई है।

कई शहरों में बदली पेट्रोल-डीजल की कीमतें

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड (कच्चे तेल) की कीमतों में उछाल आया है। ब्रेंट क्रूड के दाम लगातार ऊपर जा रहे हैं और ये 86 डॉलर के करीब पहुंच गये हैं। ब्रेंट क्रूड का भाव बढ़कर 85.80 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। इसके अलावा डब्ल्यूटीआई के दाम भी 82.80 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गये हैं। इसी कारण घरेलू बाजार में भी कई शहरों में कीमतें बदल गई हैं. नोएडा में पेट्रोल 11 पैसे के दाम 96.65 रुपये प्रति लीटर हो गये हैं। इसके साथ ही डीजल भी यहां 11 पैसे गिरकर 89.82 रुपये प्रति लीटर पहुंच गया है। लखनऊ में पेट्रोल 15 पैसे कम होकर 96.42 रुपये प्रति लीटर और डीजल 14 पैसे नीचे आकर 89.82 रुपये लीटर पहुंच गया है। वहीं पटना में पेट्रोल 11 पैसे सस्ता होकर 107.48 रुपये जबकि डीजल 10 पैसे नीचे कम होकर 94.26 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है। कच्चे चे तेल की बात करें तो बीते 24 घंटे में इसकी कीमतों में भी उछाल आया है।

दिल्ली में पेट्रोल 96.65 रुपये और डीजल 89.82 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 107.48 रुपये और डीजल 94.26 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

निर्यात मांग में बढ़ोतरी होने से अब बासमती चावल के बढ़ेंगे दाम

-सरकार के फैसले से विदेशियों की बढ़ी चिंता, भारत सबसे बड़ा चावल का निर्यातक

नई दिल्ली ।

भारत चावल का सबसे बड़ा निर्यातक देश है, ले किन अब मांग में बढ़ोतरी होने से बासमती चावल के भाव भी बढ़ने वाले हैं। बता दें` कि भारत के गैर-बासमती चावल के निर्यात पर बैन लगाते ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में चावल के रेट 3 फीसदी तक बढ़ गए हैं। ऐसे में गैर-बासमती के एक्सपोर्ट पर बैन के बाद बासमती चावल के निर्यात में उछाल आने की संभावना है। अब अचानक ही बासमती निर्यात की मांग बढ़ गई है। इसका कारण है कि बासमती के विदेशी खरीदारों को लगता है कि देर-सवेर भारत बासमती के निर्यात पर भी बैन लगा सकता है। हालांकि, भारत ने कभी बासमती के निर्यात पर बैन नहीं लगाया है। निर्यात मांग बढ़ने से बासमती चावल का दाम घरेलू बाजार में भी बढ़ सकता है। भारत चावल का सबसे बड़ा निर्यातक देश है। गैर बासमती चावल के कुल वैश्विक उत्पादन में भारत का हिस्सा 40 फीसदी है। बासमती चावल का भी भारत सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक है। भारत ने साल 2022-23 में करीब 4.5 मिलियन मीट्रिक टन बासमती चावल का निर्यात किया था। इसमें सऊदी अरब, ईरान, इराक, संयुक्त अरब अमीरात, यमन और अमेरिका भारतीय बासमती के बड़े आयातक हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बासमती चावल के बड़े भारतीय निर्यातक जीआरएम ओवरसीज के मैनेजिंग डायरेक्टर अतुल गर्ग का कहना है कि खरीदार जल्द बासमती चावल भेजने का अनुरोध कर रहे हैं। उन्हें डर है कि भारत सरकार बासमती चावल के एक्सपोर्ट भी बैन करेगी। आमतौर पर खरीदार लॉन्ग टर्म कांट्रेक्ट करते हैं। वे हर महीने चावल मंगाते हैं। लेकिन, इस बार जो शिपमेंट सितंबर और अक्टूबर के लिए बुक कराया गया था, उसे अगस्त में ही भेजने का अनुरोध आयातक कर रहे हैं। हालों कि भारत सरकार ने बासमती चावल के एक्सपोर्ट पर बैन लगाने का कोई संकेत नहीं दिया है। न ही पहले कभी एक्सपोर्ट पर किसी तरह का प्रतिबंध नहीं लगाया है। केवल साल 2008 में बासमती के निर्यात पर एक्से सपोर्ट ड्यूटी जरुर लगाई गई थी। लेकिन, आयातक गैर-बासमती चावल पर बैन लगाए जाने के बाद से ही डरे हुए हैं।

इस साल 6.77 करोड़ से ज्यादा आईटीआर हुए दाखिल, 64.33 लाख ने भरा रिटर्न

नई दिल्ली । देश में साल 2023-24 के लिए रिकॉर्ड 6.77 करोड़ इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल किए गए। विभाग की मानें तो आईटीआर में साल-दर-साल 16.1 फीसदी की रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। आईटीआर दाखिल करने की आखिरी तारीख यानी कल 31 जुलाई को 64.33 लाख लोगों ने आईटीआर भरा। वित्त मंत्रालय ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि आयकर विभाग समय पर आईटीआर दाखिल करने के लिए करदाताओं और टैक्स प्रोशेनल्स की सराहना की, जिनकी वजह से आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने में वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप आईटीआर दाखिल करने का एक नया रिकॉर्ड बना है। 31 जुलाई, 2023 तक दाखिल एसेसमेंट ईयर 2023-24 के लिए कुल आईटीआर की संख्या 6.77 करोड़ से अधिक है, जो कि 31 जुलाई 2022 तक दाखिल निर्धारण वर्ष 2022-23 के लिए कुल आईटीआर (5.83 करोड़) से 16.1 प्रे`` तिशत अधिक है। ई-फाइलिंग पोर्टल पर 31 जुलाई, 2023 को शाम 5 बजे से शाम 6 बजे के बीच आईटीआर फाइलिंग की दर 4,96,559 प्रति घंटे रही, यह भी एक रिकॉर्ड है। वहीं, प्रति सेकंड 486 आईटीआर दाखिल किए गए, जबकि प्रति मिनट यह दर 8,622 रही।

करदाताओं को अपना आईटीआर जल्दी दाखिल करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए ई-मेल और एसएमएस अभियानों के साथ-साथ सोशल मीडिया पर कैंपेन शुरू किए गए थे। इस तरह के प्रयासों से सार्थक परिणाम सामने आए और करदाताओं ने पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में निर्धारण वर्ष 2023-24 के लिए अपने आईटीआर अपेक्षाकृत पहले दाखिल किए। आयकर विभाग ने वेतनभोगी करदाताओं को आईटीआर जमा करने के लिए 31 जुलाई तक का समय दिया था। वित्त वर्ष 2022-23 में अर्जित आय के ऑडिट की जरूरत न होने वाले करदाता भी इस तारीख तक अपना रिटर्न जमा कर सकते थे। हालांकि विभाग ने पहले ही साफ कर दिया था कि इस बार वह आईटीआर जमा करने की समयसीमा आगे नहीं बढ़ाएगा। ऐसी स्थिति में अंतिम दिन यानी 31 जुलाई को 64.33 लाख से अधिक रिटर्न जमा किए गए। आयकर विभाग से` मिली जानकारी के अनुसार इस बार 53.67 लाख से अधिक लोगों ने पहली बार आईटीआर जमा किया है।

Sports

मंधाना की द हंड्रेड क्रिकेट टूर्नामेंट में आक्रामक बल्लेबाजी

लंदन । भारत की महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना ने यहां खेले जा रहे द हंड्रेड क्रिकेट टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए अर्धशतक लगाया है। स्मृति ने इसमें ट्रेंट रॉकेट्स के खिलाफ खेलते हुए सदर्न ब्रेव की ओर से आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 36 गेंदों में ही 55 रन बना दिये। स्मृति ने अपनी 55 रन की पारी के दौरान छह चौके और दो छक्के लगाए। इस मैच में पारी की शुरुआत करते हुए इस सलामी बल्लेबाज ने आक्रामक रुख अपनाया। उसके साथ उतरी डेनियल वॉट ने भी 65 रन बनाये। इसके अलावा एम बाउचर ने 18 गेंदों में चार चौके और एक छक्के लगाकर 31 रन बनाए। मंधाना ने अपनी इस पारी से अच्छी लय हासिल की है जबकि वह पिछले काफी समय से फार्म से बाहर थीं। महिला प्रीमियर लीग में भी वह रन नहीं बना पायी थीं। तब उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से खेला था। इसके अलावा वह बंग्लादेशी दौरे में भी विफल रही थीं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

त्रिनिडाड ।

भारतीय टीम टेस्ट और एकदिवसीय सीरीज जीतने के बाद अब मेजबान वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलने उतरेगी। इसमें भी भारतीय टीम को लक्ष्य जीत दर्ज करना रहेगा। इसका पहला मुकाबला गुरुवार को खेला जाएगा। वेस्टइंडीज की टीम को टी20 फॉर्मेट की सबसे खतरनाक टीम मानी जाती है पर हाल के दिनों में उसको प्रदर्शन नीचे आया है जिससे इस सीरीज में भी टीम इंडिया जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। आंकड़ों पर नजर डालें तो भारतीय टीम के साथ उसकी जब-जब टक्कर हुई है। उसे हार का सामना करना पड़ा है। दोनों टीमों का अबतक 25 मुकाबलों में आमना-सामना हुआ है। इस दौरान भारतीय टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ जहां 17 मुकाबलों में जीत मिली है। वहीं वेस्टइंडीज को भारत के खिलाफ केवल सात मुकाबलों में ही सफलता मिली है। इसके अलावा एक मैच का कोई परिणाम नहीं निकल पाया है.

ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या की कप्तानी वाली युवाओं से भरी भारतीय टीम में यशस्वी जायसवाल, तिलक वर्मा और मुकेश कुमार जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बल पर तिलक वर्मा और यशस्वी जायसवाल को पहली बार भारतीय टी20 टीम में मौका मिला है और वह इसका पूरा लाभ उठाना चाहेंगे। टीम में संजू सैमसन को भी रखा गया है। सैमसन इस अवसर का लाभ उठाना चाहेंगे। स्पिनर रवि बिश्नोई की टीम में वापसी हुई है। वह युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव और अक्षर पटेल के साथ स्पिन की जिम्मेदारी संभालेंगे। भारतीय शीर्षक्रम में ईशान किशन, शुभमन गिल और जायसवाल जैसे बल्लेबाज हैं जबकि मध्यक्रम में हार्दिक और सूर्यकुमार यादव के रहते बल्लेबाजी क्रम काफी मजबूत लग रहा है। वहीं वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में तीन विकेट लेने वाले मुकेश कुमार के अलावा भारत के पास तेज गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह, उमरान मलिक और आवेश खान जैसे गेंदबाज हैं। अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के मद्देनजर ये अपनी उपयोगिता साबित करना चाहेंगे। वहीं दूसरी ओर वेस्टइंडीज की टीम टेस्ट और एकदिवसीय सीरीज में हार के बाद पहले से ही दबाव में हैं। ऐसे में उसके लिए इस सीरीज में जीत दर्ज करना बेहद कठिन है। रोवमैन पॉवेल की कप्तानी वाली इस टीम में शाइ होप और तेज गेंदबाज ओशाने थॉमस की वापसी से हालांकि टीम के हौंसले बुलंद रहेंगे।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं-

भारतीय टीम :

हार्दिक पंड्या (कप्तान), ईशान किशन , शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, युजवेंद्र चहल,कुलदीप यादव, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, उमरान मलिक, आवेश खान, मुकेश कुमार।

वेस्टइंडीज :

रोवमैन पॉवेल (कप्तान), काइल मायर्स, जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेस, शिमरोन हेटमायेर, जैसन होल्डर, शाइ होप, अकील हुसैन, अलजारी जोसेफ, ब्रेंडन किंग, ओबेद मैकॉय, निकोलस पूरन, रोमारियो शेफर्ड, ओडियन स्मिथ, ओशाने थॉमस।

कपिल ने बुमराह सहित भारतीय टीम के हाल पर उठाये सवाल

नई दिल्ली ।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने एक बार फिर भारतीय टीम पर सवाल उठाये हैं। कपिल ने कहा कि खिलाड़ी छोटी-मोटी चोट के साथ आईपीएल तो खेल लेते पर जहां राष्ट्रीय टीम से खेलने की बात आती है तो वे पीछे हट जाते हैं। कपिल ने हाल ही में कहा था कि खिलाड़ी अहंकारी हो गये हैं। कपिल ने इसके साथ ही स्ट्रेस फैक्टर के कारण गत एक साल से भारतीय टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की फिटनेस पर भी सवाल उठाए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि अगर बुमराह की फिटनेस पर भी अभी संदेश है। अब उन्हें टीम में शामिल किया गया है पर वह विश्व कप सेमीफाइनल या फाइनल तक नहीं खेल पाते हैं तो उनके रहने का क्या लाभ। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत काफी अच्छे क्रिकेटर हैं पर वह टीम में नहीं हैं। अगर वो टीम में रहते तो हमारा टेस्ट क्रिकेट अच्छा होता। दो महीने बाद विश्व कप है और बुमराह के अलावा केएल राहुल श्रेयस अय्यर जैसे अहम खिलाड़ी चोट के बाद अपना रिहैब ही अब तक पूरा नहीं कर पाये हैं। कपिल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पर आईपीएल को प्राथमिकता देने के भारतीय खिलाड़ियों के रवैये की आलोचना की। उन्होंने कहा, भगवान दयालु हैं, ऐसा नहीं है कि मैं कभी घायल नहीं हुआ पर आज वे साल में 10 महीने खेल रहे हैं। ऐसे में भारतीय खिलाड़ियों को संदेह का लाभ दिया जाना चाहिए पर हर किसी को अपना ख्याल रखना होगा। साथ ही कहा कि आईपीएल बहुत अच्छा है पर ध्यान रहे ये आपको बर्बाद भी कर सकता है।

चीन में यूनिवर्सिटी गेम्स में अमेरिका की जोसुआ क्रेंस जिम्नास्टिक स्पर्धा में भाग लेती हुई।

एआईएफएफ ने एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम घोषित की

छेत्री होंगे कप्तान, झिंगन और गुरप्रीत भी शामिल

नई दिल्ली ।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने एशियाई खेलों के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित कर दी गयी है। इस टीम में कप्तान सुनील छेत्री के अलावा अनुभवी डिफेंडर संदेश झिंगन और गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू को भी शामिल किया गया है। इसी साल चीन के हांगझोउ में होने वाले एशियाई खेलों में भी भारतीय टीम के मुख्य कोच पद की जिम्मेदारी इगोर स्टिमक के पास ही रहेगी। भारतीय टीम को एशियाई खेलों के आयोजकों और एशियाई ओलंपिक परिषद से भी हरी झंडी मिल गयी है। इससे पहले इन खेलों में भारतीय पुरुष और महिला फुटबॉल टीम की भागीदारी को लेकर संदेह था क्योंकि खेल मंत्रालय ने कहा था कि महाद्वीप में शीर्ष आठ में शामिल टीम को ही खेलों के लिए भेजा जाएगा। एआईएफएफ की अपील के बाद हालांकि मंत्रालय ने बाद में पात्रता नियमों में राहत देकर दोनों टीम को भाग लेने की अनुमति दे दी। हाल में दोनो ही टीमो को अच्छे प्रदर्शन के आधार पर ये अनुमति मिली है। गौरतलब है कि एशियाई खेलों में फुटबॉल प्रतियोगिता में अंडर-23 खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं पर खेलों के आयोजन में एक साल के विलंब के कारण आयोजन ने इस बार 24 साल के खिलाड़ियों को भी खेलने की अनुमति दी है।

भारतीय टीम इस प्रकार है-

गोलकीपर : गुरप्रीत सिंह संधू, गुरमीत सिंह, धीरज सिंह मोइरंगथेम।

डिफेंडर: संदेश झिंगन, अनवर अली, नरेंद्र गहलोत, लालचुंगनुंगा, आकाश मिश्रा, रोशन सिंह, आशीष राय।

मिडफील्डर: जेकसन सिंह थौनाओजम, सुरेश सिंह वांगजैम, अपुइया राल्टे, अमरजीत सिंह कियाम, राहुल केपी, नाओरेम महेश सिंह।

फारवर्ड: शिव शक्ति नारायणन, रहीम अली, सुनील छेत्री, अनिकेत जाधव, विक्रम प्रताप सिंह, रोहित दानू।

संक्षिप्त समाचार

पाक टीम के विश्वकप में भाग लेने पर आज फैसला करेगी बिलावल की अध्यक्षता वाली समिति

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के अक्टूबर-नवंबर में भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप में शामिल होने का अहम फैसला सरकार करेगी। इसके लिए प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो के नेतृत्व वाली एक समिति बनायी है। इस कमेटी की बैठक गुरुवार को होगी। बिलावल के नेतृत्व वाली समिति में खेल मंत्री अहसान मजारी, मरियम औरंगजेब, असद महमूद, अमीन उल हक, कमर जमान कैरा और पूर्व राजनयिक तारिक फातमी भी शामिल हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि ये समिति अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और मेजबान भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से एक सुरक्षा प्रतिनिधिमंडल को उन स्थानों का दौरा करने की अनुमति देने के लिए कहेंगे, जहां पाक टीम अपने मैच खेलेगी । पीसीबी के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा, एक हाई-प्रोफाइल बैठक विश्व कप में भागीदारी पर फैसला करेगी। इस रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि बीसीसीआई ने पाक टीम से जुड़े कुछ मैचों के कार्यक्रम में संभावित संशोधन के संबंध में भी पाक बोर्ड से बात की है जिसके लिए वह तैयार है। पीसीबी से बातचीत की है, जिसमें भारत के खिलाफ बहुप्रतीक्षित मैच भी शामिल है।इससे पहले बीसीसीआई अधिकारियों ने राष्ट्रीय राजधानी में एकदिवसीय विश्व कप की मेजबानी करने वाले राज्य स्थलों के प्रतिनिधियों के साथ अपनी बैठक के दौरान, भारत-पाक मैच की तारीख को 15 अक्टूबर से बदलने पर चर्चा की थी, क्योंकि यह नवरात्रि उत्सव के पहले दिन से टकरा रही थी।

पांड्या ने वेस्टइंडीज में जरुरी सुविधाएं न मिलने पर नाराजगी जतायी

तरौबा । भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने वेस्टइंडीज बोर्ड की आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें जरुरी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं करायी गयीं। पांड्या ने इस दौरे में बुनियादी सुविधाओं की कमी पर पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने विलासिता के साधन नहीं मांगे थे। दूसरे ओर तीसरे एकदिवसीय में भारतीय टीम के कप्तान रहे पांड्या ने कहा कि इस मामले में क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) को ध्यान देना होगा। हार्दिक ने तीसरे एकदिसीय मैच के बाद कहा, यह उन सबसे अच्छे मैदानों में से एक था जहां हमने खेला है। अगली बार जब हम वेस्टइंडीज आएंगे तो उम्मीद करेंगे कि चीजें बेहतर होंगी। साथ ही कहा कि पिछले साल भी कुछ दिक्कतें हुई थीं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि अब वेस्टइंडीज क्रिकेट को पर ध्यान देने और यह तय करने की जरुरत है कि जब कोई टीम यात्रा करे तो उसकी बुनियादी जरूरतों का ध्यान रखा जाये। उन्होंने कहा, यहां आकर और कुछ अच्छा क्रिकेट खेलकर हमें आनंद आया। क्रिकेटरों ने पहले मैच में त्रिनिदाद से बारबाडोस के लिए देर रात की उड़ान में करीब चार घंटे की देरी के लिए भी बीसीसीआई की आलोचना करते हुए कहा कि इस कारण उन्हें एकदिवसीय श्रृंखला के शुरुआती मैच से पहले नींद नहीं मिल पाई थी।

स्टोक्स ने आक्रामक रणनीति अपनाकर खेल का तरीका बदला : वॉन

अब तक के सबसे महान कप्तान बनेंगे

लंदन ।

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने एशेज सीरीज में टीम के अच्छे प्रदर्शन टीम के लिए कप्तान बेन स्टोक्स की जमकर प्रशंसा की है। वॉन का मानना है कि आने वाले समय में स्टोक्स अब तक के सबसे महान कप्तान बनेंगे। उन्होंने कहा कि स्टोक्स काफी क्षमताएं हैं। स्टोक्स की कप्तानी में हाल ही में इंग्लैंड ने शुरुआत में पिछड़ने के बाद भी वापसी करते हुए सीरीज बराबरी पर ला दी। अगर चौथे टेस्ट मैच में बारिश न हुई होती तो मेजबान टीम एशेज सीरीज जीत सकती थी। वॉन ने कहा, वह केवल 14 महीनों से टीम की कमान संभाल रहा है पर पहले से ही वह इंग्लैंड के महानतम कप्तानों में से एक लग रहा है। मुझे लगता है कि समय आने पर उन्हें इंग्लैंड का अब तक का सबसे महान टेस्ट कप्तान माना जाएगा।वॉन ने कहा, कप्तान के रूप में स्टोक्स ने अब 18 में से 13 टेस्ट जीते हैं, जो अविश्वसनीय है।

इससे टीम पर उसके प्रभाव का अंदाजा आप लगा सकते हैं। मुझे लगता है कि आने वाले समय में स्टोक्स को ऐसे कप्तान के रूप में

याद किया जाएगा, जिन्होंने आक्रामक रणनीति अपनाकर टेस्ट क्रिकेट खेलने के तरीके को बदलने में सहायता की और यह निश्चित रूप से एक आदर्श विरासत है।

उन्होंने आगे कहा कि स्टोक्स को भविष्य में एक ऐसे कप्तान के रूप में याद किया जाएगा जिन्होंने टीम में अपने खिलाड़ियों के साथ टेस्ट क्रिकेट खेलने के तरीके को बदलने का प्रयास किया। इसका लाभ ये हुआ है कि टेस्ट के प्रति लोगों का रुझान फिर बढ़ा है।

एश्ले , लीचफील्ड अपने कैरियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर पहुंची

दुबई ।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) रैंकिंग में ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों का दबदबा बना हुआ है। आयरलैंड के खिलाफ 2-0 से एकदिवसीय सीरीज जीतने के कारण किये शानदार प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने रैंकिंग में लंबी छलांग लगायी है। अब टीम की प्रमुख एश्ले गार्डनर तीनों सूचियों में अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर पहुंच गईं। ।इस ऑलराउंडर ने जून 2023 के लिए आईसीसी की सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का ईनाम भी जीता, वहीं बल्लेबाजों की सूची में वह 21वें से 16वें और 579 रेटिंग अंकों के साथ पांच स्थान की छलांग के साथ तीनों सूचियों में करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग पर पहुंच गईं। वहीं ऑलराउंडर रैंकिंग में एक स्थान ऊपर आकर दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है। । ऑस्ट्रेलिया की ही एनाबेल सदरलैंड और फीबी लीचफील्ड भी अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग 36वीं 418 अंकों के साथ 13 स्थान ऊपर और 51वीं 357 अंकों के साथ 22 स्थान ऊपर पहुंच गयी है जबकि एलिसे पेरी 99 गेंदों में 91 रनों की पारी के साथ ही 686 रेटिंग अंकों के बल्लेबाजी में आठवें स्थान पर पहुंच गयी है। वहीं स्पिनर जॉर्जिया वेयरहैम 12 स्थान के लाभ के साथ ही 66वें स्थान पर पहुंच गयी हैद्य।

विश्वकप मैच की तारीख में बदलाव पर पीसीबी सहमत

कराची । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) दोनो ही देशों के बीच आईसीसी एकदिवसीय विश्वकप मैच की तारीख में किये बदलाव पर सहमत हो गया है। भारत और पाक के बीच विश्व कप का ये महा मुकाबला अब तय समय से एक दिन पहले 14 अक्तूबर को अहमदाबाद में होगा। पहले ये 15 अक्टूबर को होना था पर नवरात्र को देखते हुए इसे सुरक्षा करणों से एक दिन पहले कर दिया गया है। पीसीबी ने आईसीसी और बीसीसीआई के इस प्रस्ताव पर अपनी सहमति भी दे दी है। वहीं पाक टीम अब श्रीलंका के खिलाफ हैदराबाद में 12 अक्टूबर की बजाय 10 अक्टूबर को खेलेगी जिससे भारत के खिलाफ मैच से पहले तीन दिन का समय मिल जाएगा। नवरात्रि की शुरुआत को देखते हुए भारत और पाक का मैच एक दिन पहले कराया जा रहा है। इस मामले में आईसीसी और बीसीसीआई ने पीसीबी से उसके दो मैचों के कार्यक्रम में बदलाव के लिये संपर्क किया था। इसके अलावा अब आईसीसी शीघ्र ही संशोधित कार्यक्रम जारी करेगा क्योंकि कुछ और मैचों के कार्यक्रम में बदलाव होना है।

शिवम की वापसी में धोनी की रही अहम भूमिका

मुम्बई ।

आयरलैंड दौरे के लिए भारतीय टीम में शामिल ऑलराउंडर शिवम दुबे के करियर में आये आये बदलाव के पीछे भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी। आईपीएल में धोनी की टीम चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) में आने के बाद से ही शिवम की टीम इंडिया में वापसी हुई है। 25 साल के शिवम ने 2019 में ही भारतीय टीम की ओर से डेब्यू किया था पर वह शुरुआती चमक दिखाने के बाद निरंतरता की कमी के कारण टीम से बाहर हो गये थे। ऐसे में उन्हें साल 2020 में टीम से बाहर कर दिया गया था। शिवम का जादू फिर आईपीएल में चलना भी बंद हो गया। उनकी पहली आईपीएल फ्रेंचाइजी रॉयस चैलेंजर्स बैंगलोर ने भी शिवम को 2020 के सत्र के बाद रिलीज कर दिया था। इसके बाद उन्हें राजस्थान रॉयल्स ने अपने साथ जोड़ा था पर वह वहां भी नाकाम रहे। इसके बाद उन्हें सीएसके ने खरीदा। यहीं से शिवम की किस्मत बदल गयी। सीएसके में आने के बाद शिवम का पूरा खेल ही बदल गया। वह एक बेहतर बल्लेबाज के रूप में उभरकर सामने आए। धोनी ने आईपीएल के दौरान दुबे की काफी सहायता की और उनको और अच्छा करने में मदद की। दुबे धोनी की गाइडेंस के चलते आक्राम बल्लेबाजी करने लगे। उन्होंने आईपीएल 2022 और 2023 में अपने खेल से सबको प्रभावित किया। इसके चलते उनकी टीम इंडिया में अब दोबारा वापसी हो गई।शिवम ने आईपीएल 2023 में कुल 16 मुकाबले खेले थे। उन्होंने 16 मैचों में खेली गई 14 पारियों में 159 के गजब स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 411 रन ठोके। उन्होंने 37.36 की औसत से रन बनाए।

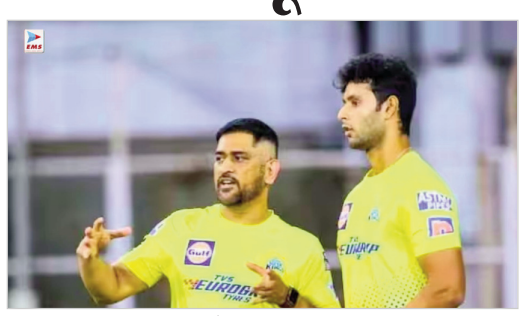

इस दौरान उन्होंने तीन अर्धशतक भी लगाये। इससे पहले उन्होंने एक सत्र में तीन अर्धशतक पहले कभी नहीं लगाये थे। इस शानदार बल्लेबाजी के कारण ही उन्हें दोबार टीम इंडिया में शामिल किया गया।

देवधर ट्रॉफी : अर्जुन ने दिलायी दक्षिणी क्षेत्र को जीत

नई दिल्ली । अर्जुन तेंदुलकर आजकल देवधर ट्रॉफी में दक्षिणी क्षेत्र की ओर से खेल रहे हैं। उन्होंने अब तक शानदार गेंदबाजी से सभी का ध्यान खींचा था। अर्जुन ने मध्य क्षेत्र की टीम के बल्लेबाज यश दुबे को आउट कर मैच में अपनी टीम की वापसी करायी। यश की इस मैच आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे थे। उन्हें आउट करने में आंखिरकार अर्जुन सफल रहे। उन्होने पारी का 42वां ओवर करते हुए यश को अपना शिकार बनाया। यश ने अर्जुन की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने का प्रयास किया पर वह इसमें पूरी तरह से सफल नहीं रहे ऐसे में गेंद उनके बल्ले का किनारा लेते हुए सीधी फील्डर के हाथों में पहुंच गयी। इस प्रकार यश की पारी 77 रन पर समाप्त हुई। अर्जुन ने इसके अलावा आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी कर रहे शिवम मावी को भी 38 रन पर ही पेवेलियन भेज दिया। अर्जुन ने दो अहम विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ये है दुनिया का सबसे डरावना और वीरान आइलैंड, कभी इस बीमारी से पीड़ितों को बिना इलाज के रखा जाता था यहां

कोढ़ रोग को हमारे समाज में हमेशा से ही हीन भावना से देखा जाता है। इस बीमारी को भगवान का शाप या दंड माना जाता रहा है। समाज में लोग कोल्ड रोगियों से हमेशा दूरी बना कर रहे हैं। सदियों से इस बीमारी से पीड़ित लोगों को समाज से अलग रखा गया है। भारत ही नहीं दुनिया के विदेशों में कुष्ठ रोगियों के लिए कई आश्रम चलते हैं। लेकिन यूरोप के ग्रीस और यूनान जैसे देशों ने अपने यहां के कुष्ठ रोगियों को आम लोगों से दूर रखने के लिए एक आईलैंड ही अलग कर दिया था।

इस आइलैंड का नाम स्पिनालॉन्गा आइलैंड है। ये यूनान के सबसे बड़े क्रीट द्वीप के पास स्थित है। ये भूमध्य सागर में मिराबेलो की खाड़ी के मुहाने पर मौजूद है। लेकिन आज इस आईलैंड पर कोई नहीं रहता और यह वीरान पड़ा है। यहां पर बेहद कम लोग ही जाते हैं। इस जगह की सबसे पहले वेनिस के राजा ने यहां पर सैनिक अड्डा बनाया था। इसके बाद तुर्की के ऑटोमान साम्राज्य ने इस पर कब्जा कर लिया। हालांकि, साल 1904 में क्रीट के लोगों ने तुर्कों को यहां से खदेड़ दिया। इसके बाद यह आइलैंड को कोढ़ के मरीजों का अड्डा बना दिया गया। साल 1975 में दुनिया को इस कोढ़ आश्रम के बारे में पता चला। इसके बाद यूनानी सरकार की बहुत आलोचना हुई।

जिसके बाद यहां के सभी लोगों को इलाज के लिए ले जाया गया और इस कुष्ठ रोगी आश्रम को बंद कर दिया गया। इसके बाद से स्पिनालॉनगा आइलैंड वीरान पड़ा है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि इस आईलैंड पर कोढ़ के मरीजों के इलाज का भी कोई इंतजाम नहीं था। इस द्वीप पर एक ही डॉक्टर आता था, वो भी तब जब किसी मरीज को कोई और बीमारी हो जाती थी। इंद्र को बनाने से पहले ही कुष्ठ रोग का इलाज खोज लिया गया था लेकिन यहां रहने वाले मरीजों का इलाज नहीं होता था।

चार धाम यात्रा के लिए आईआरसीटीसी ने पेश किया शानदार टूर पैकेज, यात्रियों को मिलेंगी ये सुविधाएं

गर्मियों की छुट्टी में लो कहीं ना कहीं घूमने का प्लान बनाते हैं। ऐसे में कई लोगों को परिवार के साथ चार धाम की यात्रा करने की इच्छा होती है। ऐसे लोगों के लिए भारतीय रेलवे चारों धामों की यात्रा के लिए एक खास ऑफर लेकर आई है। बता दें कि यात्रियों के लिए पावन धाम की यात्रा के ऐसे पैकेज भारतीय रेलवे की तरफ से समय-समय पर उपलब्ध करवाए जाते हैं। आई जानते हैं आईआरसीटीसी के चार धाम टूर पैकेज के बारे में -

इतने दिनों का होगा टूर पैकेज

भारतीय रेलवे की ओर से यात्रियों को चार धाम की यात्रा के लिए एक स्पेशल टूर पैकेज दिया जा रहा है। आपको बता दें कि यह टूर पैकेज आजादी का अमृत महोत्सव और देखो अपना देश के तहत पेश किया गया है। इस पैकेज का नाम Char Dham Yatra E& Nagpur है। आईआरसीटीसी की ओर से जारी किया गया यह खास टूर पैकेज कुल 11 दिनों और 12 रातों का है। इच्छुक यात्री आईआरसीटीसी की वेबसाइट irctctourism.com पर जाकर ऑनलाइन बुकिंग कर सकते हैं।

इस दिन से शुरू होगी यात्रा और इन जगहों के होंगे दर्शन

रेलवे द्वारा यह चार धाम यात्रा 14 मई 2022 को नागपुर से शुरू होगी। यहां से यात्रियों को हवाई यात्रा के जरिए दिल्ली लाया जाएगा। दिल्ली से हरिद्वार के लिए ट्रेन रवाना होगी। इस टूर पैकेज के तहत यात्रियों को बद्रीनाथ, केदारनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री, गुप्तकाशी, बरकोट, जानकी चट्टी, सोनप्रयाग, उत्तरकाशी, आदि धार्मिक स्थलों के दर्शन कराए जाएंगे।

यात्रियों को मिलेंगी ये सुविधाएं

यात्रा के दौरान यात्रियों को रेलवे की ओर बस और गाड़ी की सुविधा मिलेगी। इसके अलावा प्रतिदिन नाश्ता और डिनर भी मिलेगा और ठहरने के लिए होटल की व्यवस्था भी करवाई जाएगी।

यात्रियों को देना होगा इतना शुल्क

अकेले यात्रा करने वाले यात्रियों को 77,600 रुपए देने होंगे। दो लोगों को इस रूप पैकेज के लिए 61,400 चुकाने होंगे। वहीं तीन लोगों को इस पैकेज के लिए 58,900 जमा करने होंगे। बता दें कि बच्चों का अलग से शुल्क पड़ेगा।

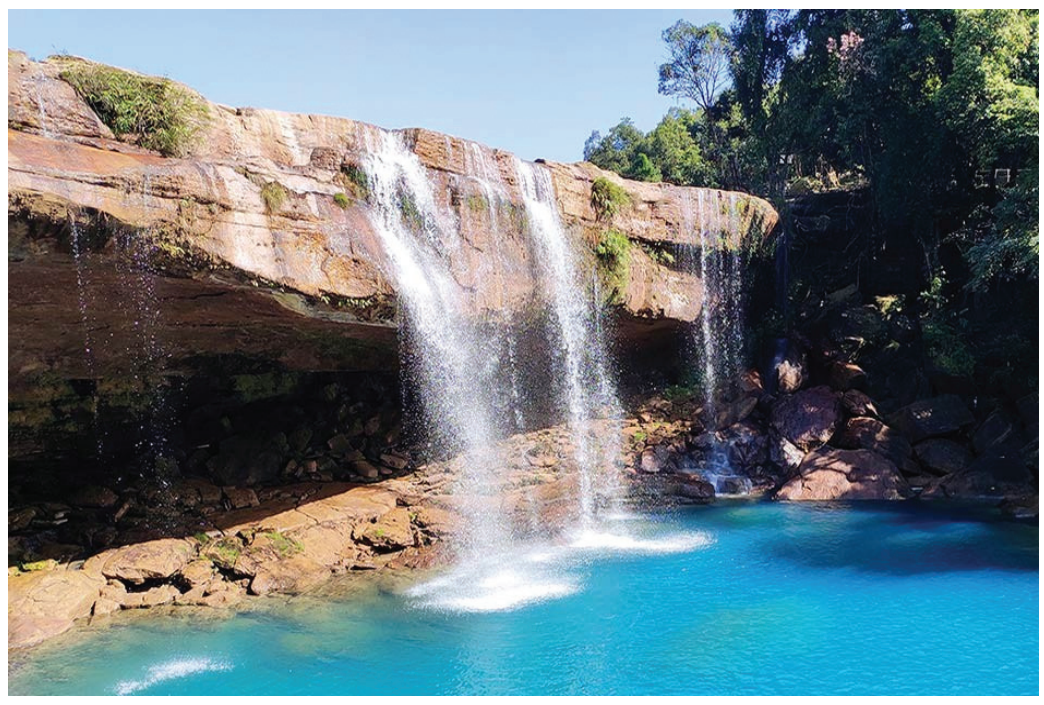

मेघालय राज्य की खूबसूरती देखेंगे तो बस देखते ही रह जायेंगे

1972 में असम से अलग होकर भारत के इक्कीसवें राज्य के रूप में नक्शे पर उभरा, अद्भुत नैसर्गिक सुषमा का आलय- मेघालय यानि बादलों का घर। आकाश में बादलों के झुंड, धरती पर चंचल झरने, शांत झीलें और उनमें अपना प्रतिबिम्ब निहारती हरियाली, इन सबके बीच आपकी उपस्थिति आपको अवसर देगी कि आप अपने भाग्य पर गर्व कर सकें। यह राज्य गारो, खासी तथा जयन्तिया जैसी प्राचीन पहाड़ी जनजातियों का मूल निवास स्थान है। इन्हीं लोगों को भारत का प्राचीनतम निवासी माना जाता है।

ब्रिटिश राज के दौरान स्कॉटलैंड ऑफ ईस्ट कहा जाने वाला शहर शिलांग मेघालय की राजधानी है। खासी पहाड़ियों में, समुद्रतल से लगभग 1500 मी. की ऊंचाई पर बसे इस शहर का नाम एक जनजातीय देवता शुलांग के नाम पर पड़ा है। प्यार से मिनी लंदन पुकारे जाने वाले शहर के चप्पे-चप्पे पर अंग्रेजी प्रभाव के निशान खोजे जा सकते हैं।

शिलांग जैसे छोटे शहर में दर्शनीय स्थानों की सूची छोटी नहीं है। शहर के बीचों-बीच स्थित है वार्डलेक। 1893-94 में बनी यह झील पर्यटकों का ही नहीं स्थानीय लोगों का भी प्रिय स्थान है। खूबसूरत बगीचों की हरियाली और झील के बीच में बना लकड़ी का पुल इसकी विशेषता है। इस लकड़ी के पुल पर से आप झील की मछलियों को देख सकते हैं और चाहें तो उन्हें आटे की गोलियां भी खिलाएं। निःसंदेह बच्चों को यह काम बहुत अच्छा लगेगा। झील के पानी में उतरना चाहें तो नौकाविहार कर सकते हैं। खाने-पीने का अच्छा प्रबंध होना इस स्थान को सुविधाजनक भी बना देता है।

यदि आपकी दिलचस्पी पेड़-पोधों में है तो झील के पास स्थित बाटेनिकल गार्डन अवश्य जाएं। वनस्पति विज्ञान के छात्रों के लिए यह स्थान बहुत उपयोग साबित होगा। इसके पास ही स्थित डेलिमार वांगखा का तितलियों का सग्रंह भी देखें। दुनिया भर का तितलियों से संबधित जिज्ञासा यहां शांत की जा सकती है।

किताबों में रूचि हो और ज्ञान में वृद्धि चाहें तो विशेष रूप से प्राचीन जीवन शैली से जुड़ी जानकारियों चाहें तो स्टेट सैन्ट्रल लाइब्रेरी जाना उचित होगा। साथ ही आपको अपनी ओर खीचेंगे डांन बास्को तथा आंल सैन्ट चर्च। डांन बास्को चर्च की विशाल इमारत और अनूठा प्रार्थना कक्ष ही इसकी खासियत हैं।

1889 में बना भारत का तीसरा सबसे पुराना गोल्फ कोर्स भी शिलांग में ही है। चीड़ और देवदार के ऊंचे वृक्षों से घिरे इस स्थान की मखमली घास का मजा लेने के लिए आपका गोल्फ में रूचि रखना जरूरी नहीं। अक्सर सूर्यादय और सूर्यास्त के सुन्दर दृश्यों को नजरों में भरनो के लिए भी पर्यटक यहां आते हैं।

खासी जनजाति के मातृ-सत्तात्मक समाज की छाप देखें यहां के बड़ा बाजार में। इस बाजार को पूर्वोत्तर भारत का सबसे बड़ा बाजार माना जाता है। यहां खरीददारी करें हस्तशिल्प की और बांस के बने सामान की। यहां के जीवन को और करीब से जानना हो तो पास ही स्थित पुलिस बाजार भी जाना चाहिए।

शिलांग से लगभग 2 किलोमीटर दूर है एलिफेन्टा फॉल (झरना)। हाथी के आकार के इस प्राकृतिक झरने की सौन्दर्य वृद्धि की है लकड़ी के छोटे-छोटे पुलों ने। इस झरने के नाम के कारण के बारे में लोगों में मतैक्य नहीं है। कुछ लोगों के अनुसार इस जगह के नाम का कारण, कभी यहां हाथियों का पानी पीने आना था जबकि दूसरों के अनुसार, इसका हाथी जैसा आकार। कुछ लोग इसके नामकरण की कथा सुनाते हैं कि किसी अंग्रेज अधिकारी का हाथी रास्ता भटक कर यहां पहुंच गया और यहीं उसकी मृत्यु हो गई तो यह नाम पड़ा। इसी खींच-तान के बीच एक अन्य कथा यह भी है कि यहां हाथी पानी पीने आते थे। किसी कारण वश यहां एक हाथी की मृत्यू के पश्चात हाथियों ने यहां आना बंद कर दिया। स्थानीय लोग इस मृत हाथी को देखने यहां पहुंचे, यही घटना इस स्थान के नामकरण का कारण है। इसी से यह स्थान लोकप्रिय भी हुआ।

शिलांग और उसके आसपास के क्षेत्र में कई और झरने भी है जैसे मारग्रेट फाल, बिशप फाल, स्वीट फाल आदि।

समुद्र की सतह से लगभग 1960 मी. ऊंचाई पर, शिलांग से करीब 10 किमी. दूर है शिलांग पीक। ऐसा विश्वास है कि जनजातीय देवता शुलांग यहीं निवास करते हैं। यहां के खुले वातावरण और ऊंचाई को ध्यान में रखकर कुछ गर्म कपड़े ले जाना गलत नहीं होगा।

उमियाम झील, गुवाहाटी से शिलांग के बीच का सबसे सुन्दर पड़ाव है। यह स्थान शिलांग से लगभग 17 किमी. दूर है। बड़ा पानी के नाम से प्रसिद्ध यह झील एक बांध के निर्माण के फलस्वरूप अस्तित्व में आई थी। इस झील के पास बने नेहरू उद्यान को भी देखें। यह झील पानी के खेलों के लिए प्रसिद्ध है।

1897 के भयानक भूकंप से धरती पर तराशे गए दर्रे के लिए विख्यात है माफलोग। यहां प्रकृति की सुन्दरता ने भूकंप की भयावहता को ढक दिया है। शिलांग से लगभग 64 किमी दूर है जरकेम। यहां गधंक के झरने हैं। ऐसा विश्वास है कि झरनों के पानी से अनेक बीमारियों का निदान संभव है।

मेघालय की अन्य दो पहाड़ियां हैं गारो और जयन्तिया। गारो पहाड़ियों को जाना जाता है वनस्पतिक और वन्य जीवन की विविधता के लिए। यहां राष्ट्रीय वन्य जीवन उद्यान तथा नाफक झील भी देखें। यहां सिजु गुफाओं में चूने पत्थर की बनी आकृतियों को देखा जा सकता है।

हिलौरे लेती मिन्तदू नदी से घिरी जयन्तिया पहाड़ी शिलांग से लगभग 64 किमी. दूर हैं। जोवाई, जयन्तिया जनजाति का मुख्यालय भी यहीं है। यहां सिन्दाल गांव में अनेक गुफाओं की सैर की जा सकती है की। जयन्तियां राजा तथा विदेशी आक्रमणकारियों के बीच युद्ध के दौरान कभी इनका प्रयोग छिपने के स्थान के रूप में होता था।

लगभग 1300 मी की ऊंचाई पर, शिलांग से 56 किमी. दूर स्थित है चेरापूंजी। एक लंबे समय, इस क्षेत्र को विश्व में सबसे अधिक वर्षा वाले क्षेत्र के रूप में जाना जाता रहा है। यहां रोमांच लें विश्व के चौथे सबसे ऊंचे झरने नहिकालीफाई को देखने का। इसी प्रकार मांसमाई और लम लाबाध की रहस्यमयी गुफाओं की सैर भी यादगार साबित होगी।

वर्तमान में सर्वाधिक वर्षा तथा लगभग निरन्तर बने रहने वाले इन्द्रधनुषों की भूमि मांसेनरम, चेरापूंजी के पास ही है। वर्षा ऋतु में लगभग अगम्य बन जाने वाला यह स्थान अपने चूने पत्थर के बने विशाल शिवलिंग के लिए खासा लोकप्रिय है। यहां भयावह ऊंचाई लिए बेहत खूबसूरत झरने भी आपको भाएंगे।

जून-जुलाई का समय मेघालय में उत्सवों का समय है। 4 दिनों तक चलने वाला किसानों का उत्सव है वेटडीनक्लामू। इसमें पारम्परिक नृत्य संगीत के साथ-साथ बैलों की लड़ाई का मजा लें। स्थानीय देवता यू शिलांग और पूर्वजों के सम्मान में आयोजित होने वाले नौंग क्रेम नृत्य उत्सव में शामिल होना नहीं भूलें।

अधिक वर्षा वाले दिनों को छोड़ हर मौसम में यहां आया जा सकता है। यहां का जाड़ा कुछ अधिक ठंडा और गर्मियां सुहावनी होती हैं। निश्चय ही यह छोटा-सा राज्य गर्मी से बड़ी राहत दिला सकता है।

ये हैं अजमेर में घूमने की खूबसूरत जगहें, इन्हें नहीं देखा तो अधूरी है आपकी यात्रा

राजस्थान में अरावली पर्वतमाला से घिरा हुआ अजमेर शहर एक बहुत लोकप्रिय पर्यटक स्थल है। यह शहर सूफी संत मोइउद्दिन चिश्ती की दरगाह के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। अजमेर शहर को पहले 'अजयमेरु' के नाम से जाना जाता था। यह शहर अपनी विशिष्ट वास्तुकला और संस्कृति के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। अजमेर में कई प्रसिद्ध पर्यटन स्थल हैं जो देश-विदेश में बहुत प्रसिद्ध हैं। इस शहर में आपको पारंपरिक राजस्थानी रंग-ढंग देखने को मिलते हैं। आज के इस लेख में हम आपको अजमेर शहर के प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों के बारे में बताने जा रहे हैं -

अजमेर शरीफ़

अजमेर में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह यहाँ के सबसे प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। इस दरगाह में हर धर्म-जाति के लोग मत्था टेकने के लिए आते हैं। कहा जाता है कि मुगल बादशाह अकबर आगरा से 437 किमी। पैदल चलकर ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर बेटा होने की दुआ माँगने आए थे। आज के समय में देश-विदेश से लोग दरगाह पर आकर मन्नत मांगते हैं और मन्नत पुअर होने के बाद चादर चढ़ाते हैं।

आना सागर झील

अजमेर में आप आना सागर झील देख सकते हैं। यह एक बेहद खूबसूरत कृत्रिम झील है जो यहाँ आने वाले पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। इस झील का निर्माण पृथ्वीराज चौहान के पिता आणाजी चौहान ने करवाया था। आणाजी से नाम पर ही इस झील का नाम आना सागर पड़ा। इस झील के आसपास की जगह भी बेहद खूबसूरत है। यहाँ का दौलत बाग देखने में बहुत खूबसूरत है, जिसका निर्माण जहांगीर ने करवाया था। इस झील में आप नौका विहार का आनंद ले सकते हैं।

पुष्कर सरोवर

अजमेर स्थित पुष्कर झील देशभर में बहुत मशहूर है। यह सरोवर हिन्दू धर्म के लोगों के लिए आस्था का एक बड़ा केंद्र है। भारत के पांच पवित्र सरोवरों में पुष्कर झील भी शामिल है। कुछ विशेष अवसरों पर यहां श्रद्धालु पवित्र स्नान के लिए आते हैं। अजमेर आए पर्यटक पुष्कर सरोवर घूमने जरूर आते हैं। यहां आप ऊंट सवारी का आनंद ले सकते हैं।

अढ़ाई दिन का झोपड़ा

अजमेर में स्थित अढ़ाई दिन का झोपड़ा एक ऐतिहासिक मस्जिद है। इस मस्जिद का निर्माण 1192 में मोहम्मद ग़ोरी के निर्देश पर कुतुब-उद-दीन ऐबक द्वारा करवाया गया था। इस मस्जिद में ढ़ाई दिन का उत्सव चलता है जिसकी वजह से इस मस्जिद को यह नाम दिया गया है। इस मस्जिद के निर्माण में खूबसूरत वास्तुकला का इस्तेमाल देखने को मिलता है। दूर-दूर से लोग इस मस्जिद में मत्था टेकने आते हैं।

तारागढ़ किला

तारागढ़ किला, अजमेर के प्रसिद्ध पर्यटक स्थलों में से एक है। इस किले का निर्माण सन 1354 में किया गया था और यह राजस्थान के सबसे प्रसिद्ध प्राचीन संरचनाओं में से एक है। यह किला पर्यटकों के लिए राजस्थानी वास्तुकला का एक शानदार और उत्कृष्ट उदाहरण पेश करता है।

सोनी जी की नसियां

अजमेर में स्थित सोनी जी की नसियां एक प्रसिद्ध जैन मंदिर हैं। इसे लाल मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। यह मंदिर जैन धर्म के पहले तीर्थकर को समर्पित हैं। सोनी जी की नसियां मंदिर का मुख्य आकर्षण इसका मुख्य कक्ष है, जिसे स्वर्ण नगरी या सोने के शहर के नाम से भी जाना जाता हैं। इस मंदिर में जाएं धर्म से जुड़ी सोने की लकड़ी की कई आकृतियां बनी हुई हैं। यह मंदिर पर्यटकों के बीच बहुत लोकप्रिय है और दूर-दूर से लोग इस मंदिर को देखने आते हैं।

सूर्य से निकले धमाके से नष्ट हुआ ग्रह का वायुमंडल, हबल स्पेस का दावा

वॉशिंगटन । हबल स्पेस टेलीस्कोप ने सौरमंडल के बाहर के एक नजदीक के ग्रह को देखा है। इस दौरान एक हैरान करने वाली घटना देखने को मिली। हबल ने पाया कि इस ग्रह का वायुमंडल उसके सूर्य से निकले धमाके के कारण नष्ट हो गया। यह घटना बताती है कि एक तारा कितना खतरनाक हो सकता है। पिछली बार जब हबल ने इस ग्रह को देखा था तब इसमें कुछ भी अलग नहीं दिखा था। यह एक लाल बौना तारा है, जिसे एयू माइक्रोस्कोपी या एयू माइक कहा जाता, जो सौरमंडल से बाहर 32 प्रकाश वर्ष दूर स्थित होता है। खगोलीय घटनाओं में 32 प्रकाश वर्ष बेहद कम दूरी मानी जाती है। नासा वैज्ञानिकों ने अब तक जिन ग्रह प्रणालियों को खोजा है उनमें से यह सबसे युवा है। यह तारा 10 करोड़ वर्ष से भी छोटा है। जो हमारी पृथ्वी के 4.6 अरब वर्ष पुराने सूर्य की आयु में एक छोटा अंश है। इस ग्रह प्रणाली को नासा के स्पिट्जर स्पेस टेलीस्कोप और ट्रांजिटिंग एक्सोप्लैनेट सर्वे सैटेलाइट ने 2020 में खोजा था। टेलीस्कोप इस तारे को देख रहे थे, तब उन्होंने इसके प्रकाश में गिरावट देखी। इसके बाद उन्हें पता चला कि उसके सामने से एक गैसीय ग्रह गुजरा है। इस ग्रह का नाम एयू माइक बी रखा गया, जिसे बाद में हबल टेलीस्कोप ने देखा। हबल टेलीस्कोप ने पाया कि यह 8.46 दिन में अपने तारे का एक चक्कर पूरा करता है। इस दौरान सबकुछ सामान्य लग रहा था। अब जब टेलिस्कोप ने इस ग्रह प्रणाली को फिर देखा तब वैज्ञानिक हैरान हो गए। वैज्ञानिकों ने पाया कि यह ग्रह अपने सूर्य के रेडिएशन का खामियाजा भुगत रहा है। सूर्य के धमाके इस ग्रह के हाइड्रोजन वातावरण को वाष्पित कर रहे हैं। इस सिस्टम में अभी तक दो ग्रह का पता चला है।

सिंगापुर से रवाना हुए क्रूज जहाज से लपाता भारतीय महिला के परिवार के संपर्क में है भारत सरकार

सिंगापुर। भारत सरकार मलेशिया के उत्तरी द्वीपीय राज्य पेनांग से सिंगापुर जलडमरूमध्य से गुजरते समय एक जहाज से गिरकर लापता हुई भारतीय महिला के परिवार के साथ लगातार संपर्क में है। यहां स्थित भारतीय उच्चायोग ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह घटना सोमवार को हुई जब रीता साहनी (64) और उनके पति जाकेश साहनी (70) 'स्पेक्ट्रम ऑफ द सीज' जहाज पर सवार होकर पेनांग से सिंगापुर वापस जा रहे थे। दंपति की चार दिवसीय क्रूज यात्रा का सोमवार को आखिरी दिन था। महिला क्रूज जहाज से पानी में गिर गई। भारतीय उच्चायोग ने सिलसिलेवार ट्वीट में कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण घटना की खबर मिलने के बाद से वह साहनी परिवार के साथ लगातार संपर्क में है। उच्चायोग ने कहा कि वह संबंधित मुद्दों के समाधान के लिए सिंगापुर के अधिकारियों के संपर्क में भी है और कानूनी प्रक्रियाओं का सुलभ बनाने की कोशिश कर रहा है। मिशन ने कहा कि उसने रॉयल कैरेबियन क्रूज कंपनी के भारत मामलों के प्रमुख से भी संपर्क किया है। उच्चायोग ने कहा, ''हम इस मुश्किल समय में परिवार का पूरा साथ देने को प्रतिबद्ध हैं।'' 'द स्ट्रेट्स टाइम्स' की मंगलवार की खबर के अनुसार, 70 वर्षीय जाकेश जब उठे तो उन्होंने अपनी पत्नी को अपने कमरे से गायब पाया। जाकेश ने क्रूज पर अपनी पत्नी को ढूंढने की कोशिश की, लेकिन वह असफल रहे। बाद में उन्होंने जहाज के चालक दल को सूचित किया, जिन्होंने उन्हें बताया कि जहाज से कुछ सिंगापुर जलडमरूमध्य में गिरा है। यह सिंगापुर के साथ मलक्का जलडमरूमध्य और दक्षिण चीन सागर के बीच 113 किलोमीटर लंबा और 19 किलोमीटर चौड़ा व्यस्त शिपिंग मार्ग है।

यूक्रेन खाद्यान्न समझौते में रुकावट से संयुक्त राष्ट्र खाद्य कार्यक्रम पर पड़ा असर

बेरूत। यूक्रेन से खाद्यान्न को अफ्रीका, पश्चिम एशिया तथा एशिया के देशों में निर्यात करने के लिए हुए ऐतिहासिक समझौते में रुकावट आने के कारण संयुक्त राष्ट्र की खाद्य एजेंसी का काम प्रभावित हो रहा है जिससे संकटग्रस्ट देशों में मदद पहुंचाने में दिक्कतें आ रही हैं। विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) के उप कार्यकारी निदेशक कार्ल एस ने कहा, ''अब हमें अनाज के लिए किसी और देश से मदद लेनी होगी। हम नहीं जानते कि बाजार की क्या स्थिति रहती है लेकिन खाद्य पदार्थ की कीमतों में वृद्धि होगी।'' डब्ल्यूएफपी ने मंगलवार को बजट में कटौती का हवाला देते हुए जॉर्डन में दो शिविरों में रह रहे 1,20,000 सीरियाई शरणार्थियों के लिए हर माह दी जाने वाली नकद सहायता राशि को कम करना शुरू कर दिया जिससे शरणार्थी और जॉर्डन के अधिकारी परेशान हैं। एजेंसी ने कहा कि वह जॉर्डन में 50,000 शरणार्थियों को दी जाने वाली मदद में धीरे-धीरे कटौती करेगी। जॉर्डन में सीरियाई शरणार्थियों ने इस खबर पर निराशा जतायी है क्योंकि वे अभी नौकरी तथा महंगाई से संघर्ष कर रहे हैं। अम्मान में एक सीरियाई शरणार्थी खदीजा महमूद ने कहा, ''इस फैसले ने हमारी जिंदगियां बर्बाद कर दी है। हम अपार्टमेंट का किराया, बिजली का बिल, पानी का बिल कैसे चुकाएंगे? हमारी इतनी क्षमता नहीं है।'' दरअसल, रूस ने 'काला सागर खाद्यान्न समझौते' से कदम पीछे खींच लिए है। यह समझौता खाद्यान्न संकट से निपटने के लिए यूक्रेन से अनाज का सुरक्षित निर्यात सुनिश्चित कर रहा था।

शहबाज शरीफ ने भारत को दिया वार्ता का प्रस्ताव तो गुस्सायी हिना रब्बानी खार ने द्धद्बस्रद्बद्ब को बता दिया पश्चिम का डार्लिंग

पाकिस्तान का आटा गीला हुआ तो उसे एक बार फिर भारत से बातचीत की याद आ गयी है। पाकिस्तान देख रहा है कि पड़ोसियों पर क्या दुनिया के किसी भी देश में जब-जब संकट आया तो भारत ने आगे बढ़कर मदद की। यही नहीं, मालदीव और श्रीलंका तो पूरी तरह भारत की वजह से ही आर्थिक संकट से उबर पाये। इसके अलावा भारत बांग्लादेश, नेपाल और भूटान की भी काफी मदद कर रहा है। जबकि पाकिस्तान अपने सबसे खराब आर्थिक हालात से गुजर रहा है तो दुनिया में कोई देश उसकी मदद नहीं कर रहा। चीन और खाड़ी के कुछ देश मदद के लिए आगे आये भी हैं तो वह इसके लिए बड़ी कीमत वसूल रहे हैं। चीन पाकिस्तान के संसाधनों की रजिस्ट्री अपने नाम करवा रहा है तो खाड़ी के देश भी पाकिस्तान से उसके पोर्ट इत्यादि लीज पर लेकर उसे पैसा दे रहे हैं। अब जब पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का कार्यकाल खत्म होने वाला है तो उन्होंने एक बार फिर सभी गंभीर और लंबित मुद्दों के समाधान के लिए भारत के साथ बातचीत करने की पेशकश की और कहा है कि दोनों देशों के लिए ''युद्ध कोई विकल्प नहीं है'' क्योंकि दोनों देश गरीबी और बेरोजगारी से लड़ रहे हैं।

शहबाज शरीफ की टिप्पणियां सीमा पार आतंकवाद को इस्लामाबाद के निरंतर समर्थन और कश्मीर सहित कई मुद्दों पर भारत और पाकिस्तान के बीच संबंधों में जारी तनाव के बीच आई है। साथ ही यह टिप्पणी ऐसे समय भी आई है जब 12 अगस्त को संसद का पांच साल का कार्यकाल पूरा हो रहा है और उनकी गठबंधन सरकार चुनाव में जाने की तैयारी कर रही है। लेकिन सवाल उठता है कि क्या पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और उनके मंत्रिमंडल के सदस्य भारत के प्रति पाकिस्तान की नीति को लेकर पूरी तरह स्पष्ट हैं? यह सवाल हम इसलिए कर रहे हैं क्योंकि एक ओर प्रधानमंत्री भारत के साथ वार्ता की अपील कर रहे हैं तो दूसरी ओर उनकी विदेश राज्य मंत्री भारत पर कटाक्ष कर रही हैं। जहां तक शहबाज शरीफ के बयान की बात है तो आपको बता दें कि उन्होंने पाकिस्तान और भारत के बीच युद्ध के इतिहास के बारे में बात की। उनकी राय में युद्ध के परिणामस्वरूप गरीबी, बेरोजगारी और लोगों की शिक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण के लिए संसाधनों की कमी हुई। उन्होंने यह भी कहा कि जब तक अनसुलझे मुद्दों का समाधान कर ''असामान्यताओं'' को दूर नहीं किया जाता तब तक संबंध सामान्य नहीं होंगे।

दूसरी ओर, पाकिस्तान की उप विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार के बयान की बात करें तो उन्होंने भारत और पश्चिमी देशों के गहराते संबंधों पर कटाक्ष करते हुए कहा है कि भारत पश्चिमी देशों का डार्लिंग है। हिना रब्बानी खार ने इस्लामाबाद में पाकिस्तान गवर्नेंस फोरम 2023 को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। अपने संबोधन के दौरान जब वह अपने सभी पड़ोसियों के साथ पाकिस्तान के संबंधों का वर्णन कर रही थीं, तो उन्होंने भारत को 'पश्चिम का डार्लिंग' कहा। इसके अलावा, खार ने भारत पर 'क्षेत्र के कुछ देशों के साथ ही घनिष्ठता रखने' का आरोप भी लगाया। हिना रब्बानी खार ने कहा कि 'भारत ने पश्चिम का प्रिय बनने का निर्णय लिया है, लेकिन साथ ही, इस क्षेत्र के भीतर बहुत आक्रामक होने का निर्णय लिया है। हिना रब्बानी खार ने कहा कि भारत एक ऐसे देश के रूप में खड़ा है जो कुछ देशों के प्रति बहुत खुला है, लेकिन इस क्षेत्र में सबके करीब नहीं है। देखा जाये तो हिना रब्बानी खार का यह बयान 'अंगूर खट्टे हैं' वाली कहावत को चरितार्थ करता है। पाकिस्तान को पश्चिम तो क्या दुनिया का कोई देश भाव नहीं देता है जबकि भारत आज दुनिया में नेतृत्वकर्ता की भूमिका में आ गया है। जाहिर है यह बात पाकिस्तान को पचेगी नहीं इसलिए वह डार्लिंग जैसे शब्दों का उपयोग कर रहा है।

डेलवारे में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन साइकिल की सैर करते हुए।

रूसी ड्रोन ने यूक्रेन के ओडेसा इलाके में ड्रोन से हमला किया, बंदरगाह पर लगी आग

कीव। रूसी सैनिकों ने यूक्रेन के ओडेसा क्षेत्र स्थित बंदरगाह को बीतीरात अपने शाहिद ड्रोन से निशाना बनाया। यूक्रेन की सेना ने यह जानकारी दी। यूक्रेन की सेना के मुताबिक रूस के ड्रोन हमले से अनाज को ढोने के लिए लगा एलिवेटर क्षतिग्रस्त हो गया और वहां के ढांचे में आग लग गई जो देश से अनाज निर्यात के लिए अहम था। यूक्रेन से ओडेसा बंदरगाह के रास्ते विश्व बाजार में अनाज के निर्यात की अनुमति दिए जाने के बाद से रूस इस शहर को अपना निशाना बना रहा है। जानकारी के मुताबिक 17 जुलाई से अब तक रूसी बलों ने ओडेसा बंदरगाह और वैकल्पिक मार्ग के तौर पर इस्तेमाल किए जा रहे क्षेत्र के नदी पत्तनों पर दर्जनों बार ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया है। यूक्रेनियाई सेना के दक्षिणी कमान ने फेसबुक पोस्ट में बताया, ''दुश्मन का स्पष्ट निशाना क्षेत्र के बंदरगाह और औद्योगिक अवसंरचनाएं हैं।'' उसने बताया कि हमले की वजह से औद्योगिक क्षेत्र और बंदरगाह की इमारतों में आग लग गई और अनाज को ढोने के लिए लगा एलिवेटर क्षतिग्रस्त हो गया। यूक्रेनियाई सेना द्वारा बुधवार सुबह दी गई जानकारी के मुताबिक उसकी वायुसेना ने गत रात में 23 शाहिद ड्रोन को मार गिराया जो अधिकतर ओडेसा और कीव में हमले के लिए भेजे गए थे। कीव नगर प्रशासन के प्रमुख सेरही पोपको ने बताया कि कीव में भेजे गए सभी 10 ड्रोन नाकाम कर दिए गए। उन्होंने बताया कि गत रात धमाकों की कई आवाजें सुनाई दी क्योंकि वायु रक्षा प्रणाली सक्रिय थी। पोपको के मुताबिक मार गिराए गए ड्रोन का मलबा राजधानी के तीन जिलों में गिरा जिससे गैर रिहायशी इमारत को नुकसान पहुंचा। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बुधवार सुबह अपने टेलीग्राम संदेश में कहा, ''रूसी आतंकवादियों ने एक बार फिर बंदरगाह, अनाज संग्रहण सुविधा और वैश्विक खाद्य सुरक्षा को निशाना बनाया। दुनिया को इसका जवाब देना चाहिए।

पाकिस्तान में चुनाव टलने की अटकलें हुई तेज, डिजिटल जनगणना बताई वजह

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में आम चुनाव टलने के आसार दिखाई दे रहे हैं, इसकी वजह डिजिटल जनगणना को बताया जा रहा है। पीएम शहबाज की मानें तो अभी डिजिटल जनगणना हो रही है, इसके बाद ही चुनाव होंगे। इस तरह से चुनाव एक साल पीछे जा सकते हैं। हालांकि सरकार 90 दिनों के भीतर चुनाव कराने के लिए एक अंतरिम व्यवस्था लाने की तैयारी कर रही है, लेकिन इस बीच प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने चुनाव में देरी का संकेत दिया है, जिससे उनके गठबंधन सहयोगियों के बीच दरार पैदा हो गई है। विभिन्न सोशल मीडिया पोस्ट में शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी और उसके प्रमुख गठबंधन सहयोगी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के बीच बातचीत और बंद दरवाजे के भीतर परामर्श की कमी को उजागर कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा है कि चुनाव केवल 2023 की डिजिटल जनगणना के आधार पर होंगे, जो आठ महीने से एक साल के बीच की देरी की ओर इशारा करता है। एक साक्षात?कार में उन्होंने कहा कि हमें नई जनगणना के आधार पर चुनाव कराने होंगे। जब जनगणना हो जाएगी, तो

उसके आधार पर चुनाव होने चाहिए, जब तक कि कोई ऐसी बाधा न हो जिसे दूर न किया जा सके। लेकिन मुझे ऐसी कोई बाधा नजर नहीं आती।

पाक पीएम शरीफ की टिप्पणियों ने व्यापक बहस छेड़ दी है। क्योंकि पीपीपी ने स्पष्ट कर दिया है कि वह ऐसे किसी भी फैसले का समर्थन नहीं करेगी जिसके परिणामस्वरूप चुनाव में देरी हो। पीपीपी के वरिष्ठ नेता नवाज मुहम्मद यूसुफ तालपुर ने कहा कि पार्टी ने पहले ही इस विषय पर एक रुख अपना लिया है। नए परिसीमन से आम चुनाव कराने में देरी होगी और इस कारण से पार्टी ने इसका विरोध किया है। पीपीपी सूचना सचिव फैसल करीम कुंडी ने कहा कि सैद्धांतिक रूप से नए सिरे से परिसीमन के लिए चार महीने की आवश्यकता होगी, लेकिन वास्तव में, इसमें आठ महीने या एक साल तक का समय लग सकता है। इस बीच, मुताहिदा कौमी मूवमेंट-पाकिस्तान (एमक्यूएम-पी) ने भी पुरानी जनगणना के आधार पर चुनाव कराने के फैसले का विरोध किया है।

इस मामले में एमक्यूएम-पी के वरिष्ठ नेता मुस्तफा कमाल ने कहा कि हम पहले ही इस मामले को प्रधानमंत्री के समक्ष उठा चुके हैं। हमारा मानना है कि चुनाव केवल नए परिसीमन के अनुसार होने चाहिए, जो डिजिटल जनगणना के बाद ही संभव है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार पुरानी जनगणना के अनुसार चुनाव कराती है, तो इससे लाखों लोग मतदान के अधिकार से वंचित हो जाएंगे। राजनीतिक नेताओं द्वारा सार्वजनिक मंचों और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर खुले बयान गठबंधन दलों के बीच अलगाव और संचार की कमी को उजागर करते हैं।

इटली ने खोली चीन के बीआरआई की पोल, करोड़ों के प्रोजेक्ट पर फिरा पानी

वाशिंगटन (एजेंसी)। इटली ने चीन के बीआरआई प्रोजेक्ट की पोल खोलकर रख दी है। इससे एक ओर जहां अमेरिका की टक्कर में चीन ने खुद को खड़ा करने की कोशिश की थी, वहीं बेल्ट एंड रोड इनिसिएटिव यानी बीआरआई के जरिए दुनिया के कई देशों में करोड़ों डॉलर के प्रोजेक्ट पर पानी फिर गया है। बता दें कि पाकिस्तान में शुरु हुए बीआरआई के प्रोजेक्ट सीपीईसी के दस साल पूरे हो गए हैं। दोनों मुल्क इसका जश्न भी मना रहे हैं। लेकिन इसी जश्न में इटली ने पलीता लगा दिया है और चीन के बीआरआई की हकीकत सामने ला दी है। गौर करने वाली बात ये है कि इटली यूरोप का एकलौता देश है जो चीन के इस प्रोजेक्ट में शामिल हुआ था। इटली के रक्षा मंत्री गोइदो प्रोस्टो ने एक इंटरव्यू में कहा है कि चीन के इस फैसले में शामिल होना तबाह करने वाला फैसला था। उन्होंने कहा कि ये फैसला जल्दबाजी में ले लिया गया था।

इटली के डिफेंस मिनिस्टर ने ऐसा कहने की वजह भी बताई। उन्होंने कहा कि इस फैसले से चीन को तो फायदा मिला और उनका निर्यात हमारे यहां काफई बढ़ गया। लेकिन मुझे एक्सपोर्ट का फायदा नहीं मिल सका। इटली के नेता ने एक इंटरव्यू में कहा कि नए सिल्क रोड में शामिल होने का फैसला जल्दबाजी में लिया गया। ये तबाह करने वाला कदम था। उनका ये बयान चीन से उलट है। गौरतलब है कि पिछले दिनों चीन ने कहा था कि बीआरआई से दोनों देशों को लाभ हो रहा है। दरअसल, इटली अब चीन के इस प्रोजेक्ट से बाहर होना चाहता है। हालांकि पाकिस्तान और चीन ने महत्वाकांक्षी चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) परियोजना के तहत सहयोग बढ़ाने और काम में तेजी लाने के लिए छह महत्वपूर्ण दस्तावेजों पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और चीन के उप प्रधानमंत्री ही लीफंग सीपीईसी के 10 साल पूरे होने पर आयोजित हस्ताक्षर समारोह के दौरान मौजूद थे। बता दें कि सीपीईसी परियोजना पाकिस्तान के बलूचिस्तान में ग्वादर बंदरगाह को चीन के शिंजियांग प्रांत को जोड़ती है। यह चीन की अरबों डॉलर की महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड पहल (बीआरआई) की प्रमुख परियोजना है। हालांकि भारत सीपीईसी को लेकर चीन के समक्ष पहले ही विरोध जता चुका है क्योंकि यह परियोजना पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से होकर गुजरती है। शरीफ ने इस मौके पर कहा कि हस्ताक्षरित दस्तावेजों का उद्देश्य पाकिस्तान और चीन के बीच आर्थिक संबंधों को और मजबूत करना है। अब तक पाकिस्तान के बिजली और जल विद्युत क्षेत्र, सड़क बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक परिवहन में सीपीईसी के तहत 25 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का निवेश हुआ है।

बिलावल भुट्टो की तालिबान को गीदड़भभकी, अफगानिस्तान के अंदर घुसकर करेंगे कार्रवाई

इस्लामाबाद । विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने मंगलवार को संकेत दिया कि पड़ोसी देश से उत्पन्न होने वाले आतंकवादी खतरे से निपटने के लिए पाकिस्तान अंतिम उपाय के रूप में अफगानिस्तान के अंदर कार्रवाई कर सकता है। बिलावल ने विदेश मंत्री के परिवर्तन प्रबंधन सुधारों के तहत डिजिटलीकृत प्रणाली के शुभारंभ पर एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि हम अपनी रक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत कार्य करेंगे। यदि अफगान अधिकारी कार्रवाई नहीं करते हैं, तो अंदर कार्रवाई विकल्पों में से एक हो सकती है, लेकिन पहला विकल्प नहीं है। हालांकि, विदेश मंत्री ने कहा कि पाकिस्तान का मानना ??है कि अफगान अंतरिम सरकार उनके देश को धमकी देने वाले आतंकवादी समूहों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। अगर क्षमता का कोई मुद्दा है तो हम उनकी (अफगानिस्तान तालिबान की) मदद करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि 'अगर इरादे का कोई मुद्दा है तो यह एक अलग मामला है। उनका यह बयान हाल के महीनों में पाकिस्तान में आतंकवादी हमलों में वृद्धि की पृष्ठभूमि में आया है। बाजौर आतंकवादी हमला नवीनतम था जिसमें बड़ी संख्या में लोग मारे गए थे। पाकिस्तान ने आतंकवादी हमलों में वृद्धि के लिए सीमा पार आतंकवादी पनाहगाहों को जिम्मेदार ठहराया है। इस्लामाबाद बार-बार कहता रहा है कि प्रतिबंधित टीटीपी और उसके सहयोगी अफगानिस्तान से बेखौफ होकर काम कर रहे हैं।

वैंकूवर वाणिज्य दूतावास पर लगाया गया भारत विरोधी पोस्टर, भारत ने जताई आपत्ति

मास्को (एजेंसी)। भारत ने कनाडा के अधिकारियों से एक सुरक्षा चूक की शिकायत की है जिसके कारण मंगलवार को वैंकूवर में उसके वाणिज्य दूतावास की इमारत पर भारत विरोधी पोस्टर लगा दिया गया। यह पोस्टर उन पोस्टरों के समान था जो इस सप्ताह की शुरुआत में मेट्रो वैंकूवर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर दिखाई दिए थे, खासकर सरे शहर में। इन पोस्टरों में कनाडा में भारत के सबसे वरिष्ठ राजनयिकों ओटावा में इसके उच्चायुक्त और वैंकूवर और टोरंटो में महावाणिज्य दूत की तस्वीरों और नामों के नीचे 'वांटेड' शब्द का उपयोग किया गया है। मंगलवार सुबह पता चलने के बाद वाणिज्य दूतावास वाली इमारत के प्रवेश द्वार के पास लगे पोस्टर को हटा दिया गया। ऐसा प्रतीत होता है कि इसे तड़के वहां लगाया गया था। एक वरिष्ठ भारतीय अधिकारी ने कहा कि वाणिज्य दूतावास ने उपचारात्मक कार्रवाई के लिए स्थानीय संपर्क बिंदुओं के साथ मामला उठाया था। जबकि रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस या आरसीएमपी राजनयिक सुरक्षा के लिए जिम्मेदार है। अलगाववादी समूह द्वारा 15 अगस्त को भारतीय मिशनों को घेरने की पहले से दी गई चेतावनी और इसी तरह के पोस्टर पहले से ही क्षेत्र में दिखने के बावजूद यह चूक हुई। पहले 'किल इंडिया' पोस्टरों की तरह, वाणिज्य दूतावास में लगाए गए पोस्टरों के वीडियो सोमवार को सोशल मीडिया पर प्रसारित किए गए थे, और इसे पाकिस्तान-आधारित या पाकिस्तान-समर्थक हैंडल द्वारा प्रचारित किया गया था। इसी तरह के कई पोस्टर पिछले महीने ग्रेटर टोरंटो एरिया (जीटीए) में विभिन्न स्थानों पर दिखाई दिए थे, एसएफजे द्वारा 16 जुलाई को क्षेत्र के एक गुरुद्वारे में तथाकथित खालिस्तान जनमत संग्रह का नवीनतम दौर आयोजित करने से पहले।

सालभर के भीतर पाकिस्तान में हुए 18 आत्मघाती हमले, 200 की मौत

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पडोसी देश पाकिस्तान में इस साल 18 आत्मघाती हमले हुए, इनमें 200 लोगों के मरने की मुष्टि की गई है। पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी स्टडीज (पीआईसीएसएस) द्वारा जारी की गई एक नई रिपोर्ट से पता चला है कि देश में इस साल अब तक 18 आत्मघाती हमले हुए हैं, जिनमें कम से कम 200 लोगों की मौत हुई है और 450 से अधिक लोग घायल हुए हैं। जबकि पिछले साल पाकिस्तान में 15 आत्मघाती हमले हुए थे। आत्मघाती हमलों की नवीनतम बढ़ोतरी ने पहले ही 2022 की तुलना में आत्मघाती हमलों की कुल संख्या को पार कर लिया है। पीआईसीएसएस रिपोर्ट में कहा गया है कि सबसे गंभीर रूप से प्रभावित क्षेत्र खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत के आदिवासी जिले रहे हैं, जहां 2023 में आधे आत्मघाती हमले हुए। यहां हुए 9 हमलों में लगभग 60 लोगों की जान चली गई, जबकि 150 से अधिक लोग घायल हो गए। गौरतलब है ?कि रविवार को केपी के बाजौर जिले में जमीयत उलेमा इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) कार्यकर्ता सम्मेलन में आत्मघाती हमले में 20 से ज्यादा नाबालिगों सहित 54 लोग मारे गए।

इस रिपोर्ट में कहा गया कि खैबर पख्तूनख्वा को तबाही झेलनी पड़ी, चार आत्मघाती हमलों में 110 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई और 245 घायल हो गए। उस समय, पेशावर पुलिस लाइन पर हमला देश में सबसे घातक हमला था, जिसमें 100 से अधिक लोगों की जान चली गई थी। रिपोर्ट में बताया कि बलूचिस्तान दूसरा सबसे अधिक प्रभावित प्रांत है, जहां कम से कम चार आत्मघाती हमलों में 14 लोगों की जान चली गई, जबकि 27 अन्य घायल हो गए। उधर सिंध ने एक आत्मघाती हमले की सूचना दी, जिसमें पांच लोग मारे गए और 18 अन्य घायल हो गए। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) आतंकवादी संगठन ने इनमें से अधिकतर हमलों की जिम्मेदारी ली है।

चीन में बाढ़ से मची तबाही, अब तक 20 लोगों की मौत, 27 की तलाश जारी

बीजिंग (एजेंसी)। इन दिनों चीन में बाढ़ ने भयंकर कहर मचा रखा है। राजधानी बीजिंग में तो हालात बेहद खराब हो गए हैं। राजधानी और उसके आसपास के इलाकों में मूसलाधार बारिश से अब तक 20 लोगों की मौत हो गई और 27 लोग लापता हो गए हैं। हालांकि सरकार ने मंगलवार को बताया कि बाढ़ से सड़कें नष्ट हो गईं, पेड़ उखड़ गए और बिजली गुल हो गई। बताया जाता है कि बीजिंग में आमतौर पर गर्मियां शुष्क होती हैं, लेकिन इस साल रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ी। अन्य क्षेत्रों, विशेष रूप से चीन के दक्षिण में भी गर्मियों में असामान्य रूप से भीषण बाढ़ का सामना करना पड़ा है। जिससे कई मौतें हुईं। वहीं देश के अन्य हिस्से सूखे से जूझ रहे हैं। मिली जानकारी के अनुसार बीजिंग के पश्चिमी छोर पर मेंटौगौ जिले में सड़कों पर पानी का बहाव इतना तेज था कि उसमें कारें बह गईं। एक निवासी लियू शुआनबाओ ने कहा कि सड़क पर खड़ी कारें तैर गईं और बह गईं। उसके अपार्टमेंट के पीछे खड़ी कुछ कारें केवल एक मिनट में ही गायब हो गईं।

राहत कार्य भी चलाया जा रहा है। यहां आपातकालीन कर्मचारियों नेसड़कों को साफ करने के लिए बुलडोजर का इस्तेमाल किया, जबकि निवासी कीचड़ से गुजर रहे थे। मेंटौगौ के एक अन्य निवासी वू चांगपो ने कहा कि न तो अधिकारियों और न ही आम लोगों को उम्मीद थी कि इतनी भारी बारिश होगी। कई जगहों पर भूस्खलन हुए और गांवों में बाढ़ आ गई। जानकारी के अनुसार यहां ग्यारह लोगों की मौत की सूचना मिली है और अधिकारी 27 लापता लोगों की तलाश कर रहे हैं। वहीं राजधानी के पास के हेबेई प्रांत में नौ मौतें हुई हैं। राजधानी के फांगशान जिले में लगभग 60,000 घरों की बिजली गुल हो गई। बीजिंग के दक्षिण-पश्चिम में जुओझोउ में, उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों से लगभग 125,000 लोगों को आश्रयों में ले जाया गया। बाढ़ की गंभीर स्थिति को देखते हुए राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने स्थानीय सरकारों को फंसे हुए लोगों को बचाने और जीवन और संपत्ति की क्षति को कम करने के लिए पूरी कोशिश करने का आदेश जारी किया है।

चित्रदुर्ग में दूषित पानी पीने से दो लोगों की मौत

चित्रदुर्ग। कर्नाटक के चित्रदुर्ग जिले में दूषित पानी पीने से दो लोगों की मौत हुई और 36 अन्य बीमार पड़ गए। सूत्रों ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। सूत्रों के मुताबिक, अस्वस्थ लोगों में पांच लोगों की हालत गंभीर है। मृतकों की पहचान मंजुला (23) और रघु (27) के रूप में की गई, दोनों चित्रदुर्ग के बाहरी इलाके कवाडीगरहट्टी के निवासी थे। सूत्रों ने बताया कि मंजुला की अस्पताल में मौत हो गई, जबकि रघु, पानी पीने के बाद बेंगलुरु चला गया था, में गंभीर लक्षण विकसित होने के बाद में उसकी मौत हो गई। अधिकारियों ने स्थानीय निवासियों से शहर नगर पालिका द्वारा आपूर्ति किए गए पानी का सेवन नहीं करने को कहा है। गंभीर उल्टी-दस्त के बाद कुछ अस्वस्थ लोग फिलहाल जिला अस्पताल में भर्ती हैं। गंभीर हालत वाले मरीजों को दावणगेरे शहर के अस्पतालों में स्थानांतरित कर दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी किसी भी स्थिति से निपटने के लिए कवाडीगरहट्टी में तैनात हैं। संदूषण के सटीक कारण का पता लगाने के लिए अस्वस्थ लोगों के पानी और मल के नमूने परीक्षण के लिए प्रयोगशाला में भेजे गए हैं।

सीएम हेमंत सोरेन के खिलाफ टिप्पणी करने वाला हुआ गिरफ्तार

रांची। झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में रांची पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी दीपक कुमार को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है। मिली जानकारी के अनुसार दीपक की गिरफ्तारी नोएडा से की गई है, जिसके बाद उसे रांची लाया गया। गौरतलब है कि जेएमएम जिलाध्यक्ष के द्वारा गोंदा थाने में प्राथमिकी दर्ज करवाई गई थी। रांची जेएमएम के जिलाध्यक्ष अध्यक्ष मुश्ताक अहमद ने अपने बताया है कि ट्विटर पर राज्य के मुख्यमंत्री के खिलाफ एक अभद्र टिप्पणी की गई थी। सोशल मीडिया के ट्विटर पर 14 जुलाई को ये टिप्पणी हुई थी जिस पर उनकी नजर पड़ी, जिसमें मुख्यमंत्री के खिलाफ काफी अपमानजनक बातें लिखी थीं। इसे लेकर ही रांची के गोंदा थाने में उन्होंने मामला दर्ज कराया और मसले में उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की थी। ये आवेदन 22 जुलाई को रांची के गोंदा थाने में दिया गया था, जिसके बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया और आरोपी को गिरफ्तार किया गया। गौरतलब है ?कि सरकार के खिलाफ बीजेपी विधायक भानु प्रताप शाही ने ट्वीट किया था और उसी ट्वीट में कमेंट करते हुए दीपक कुमार ने अभद्र और अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया था। जिसके बाद मामले की शिकायत रांची के गोंदा थाने में की गई थी। इससे पहले पिछले ही दिनों गढ़वा पुलिस ने गढ़वा से एक यूट्यूबर को गिरफ्तार किया था। इस आरोपी पर भी सीएम पर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए कार्यक्रम चलाने के आरोप थे।

हाईकोर्ट का आदेश, नाबालिग पर भी लग सकता है गैंगस्टर एक्ट

प्रयागराज। हाईकोर्ट ने साफ कहा है कि गैंगस्टर मामले में नाबालिग पर भी एक्ट के तहत कार्यवाही हो सकती है, क्योंकि इस पर ऐसा कोई प्रतिबंध नहीं है कि पुलिस कार्रवाई न करे। बता दें कि उत्तर प्रदेश में नाबालिग पर गैंगस्टर एक्ट लगाने के मामले में हाईकोर्ट ने अहम आदेश दिया है। नाबालिग पर गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई को चुनौती देने वाली याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि नाबालिग पर भी गैंगस्टर एक्ट लग सकता है। कोर्ट ने कहा कि कानून में कोई प्रतिबंध नहीं है। कोर्ट ने अपराध के समय नाबालिग, बालिग होने पर दर्ज गैंगस्टर एक्ट की प्राथमिकी रद्द करने से इंकार कर दिया। साथ ही कहा कि आपराधिक केस चार्ट में शामिल अभियुक्त चाहे नाबालिग था, इससे गैंगस्टर एक्ट की कार्यवाही पर फर्क नहीं पड़ेगा। कोर्ट ने इस दलील को अस्वीकार कर दिया कि अपराध चार्ट में शामिल तीन केसों को दर्ज करते समय याची नाबालिग था और उसकी आयु 16 से 17 वर्ष की थी। याची ने माना कि वह तीन केस में नाबालिग होने पर गैंगस्टर एक्ट की एफआईआर अवैध है, इसे रद्द किया जाए। गौरतलब है कि याची के खिलाफ 24 नवंबर 22 को बलिया के हादी थाने में गैंगस्टर एक्ट की धारा 3 के तहत प्राथमिकी दर्ज है। कोर्ट ने धारा 482 की अंतर्निहित शक्ति का इस्तेमाल कर रद्द करने से इंकार कर दिया। कोर्ट ने याची राजू पाठक की याचिका खारिज की है। याची पर आरोप है कि वह आकाश गिरी गैंग का सदस्य है। जस्टिस वी के बिड़ला और जस्टिस सुरेंद्र सिंह की खंडपीठ ने अब अहम आदेश दिया है। तीन आपराधिक केसों में जमानत मिलने के बाद गैंगस्टर एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है।

इंडिया से गठबंधन के सवाल पर केसीआर ने कैसा तंज: उन्होंने 50 साल तक देश पर राज किया, तब क्या हुआ?

सांगली। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने विपक्षी गठबंधन पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि लोगों ने एनडीए और इंडिया एलायंस को देखा है। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि नया भारत क्या है? उन्होंने 50 साल तक शासन किया लेकिन कुछ नहीं बदला। अब बदलाव की जरूरत है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि देश में बदलाव लाने में मेडियाकर्मियों का योगदान भी जरूरी है। मंगलवार को महाराष्ट्र के वाटेगांव गांव में अन्नाभाऊ साठे की 103वीं जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने विपक्षी गठबंधन पर तंज कसा है। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए ने पिछले दो लोकसभा चुनावों में जोरदार प्रदर्शन किया है। कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी पार्टियों की हर चाल हमेशा पीएम मोदी को हराने में नाकाम रही है। लेकिन अब देश की 21 विपक्षी दलों ने इंडिया नाम का गठबंधन बनाया है। उन्होंने कहा कि इंडिया की पार्टियों ने 50 साल तक देश पर शासन किया, तब उन्होंने क्या किया।

- बीआरएस न एनडीए के साथ और न ही इंडिया गठबंधन के साथ

मुख्यमंत्री के सी आर मंगलवार को महाराष्ट्र के वाटेगांव गांव में अन्नाभाऊ साठे की 103वीं जयंती के मौके पर एक बैठक को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने कहा कि भारतीय राष्ट्र समिति (बीआरएस) न तो भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए के साथ है और न ही इंडिया गठबंधन के साथ है। साथ ही उन्होंने दावा किया कि उन्हें कई पार्टियों का समर्थन हासिल है।

ट्रिपल टेस्ट में विफल रहे 'आप' नेता, सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका का ये कहते हुए किया विरोध

नई दिल्ली। दिल्ली शराब नीति में कथित अनियमितताओं की जांच कर रहे केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने सुप्रीम कोर्ट में मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका का विरोध करते हुए दावा किया है कि आम आदमी पार्टी (आप) नेता प्रभावशाली हैं। पूछताछ के दौरान असहयोगी रहा है और सबूत नष्ट करने वाला पाया गया है, इस प्रकार वह जमानत देने के लिए ट्रिपल टेस्ट में विफल रहा है। एजेंसी ने उच्चतम न्यायालय को अवगत कराया कि दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री सिसोदिया अन्य आरोपी व्यक्तियों के साथ आपराधिक साजिश में शामिल थे। सुप्रीम कोर्ट ने कथित उत्पाद शुल्क नीति घोटाले में उनके खिलाफ अलग-अलग मामलों के संबंध में सिसोदिया द्वारा दायर जमानत याचिका पर सीबीआई और ईडी से जवाब मांगा था। एजेंसी ने 27 जुलाई को दायर जवाबी हलफनामे में तर्क दिया कि पूर्व उपमुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती उत्पाद शुल्क नीति के बारे में जनता की राय गढ़ी। हलफनामे में यह भी कहा गया है कि आवेदक ट्रिपल टेस्ट को पूरा करने में विफल रहता है - आरोपी के भागने का जोखिम नहीं है, वह गवाहों को प्रभावित नहीं करेगा और सबूतों के साथ छेड़छाड़ नहीं करेगा - जमानत देने के लिए क्योंकि उसकी रिहाई से एकत्र किए गए सबूतों के खतरे में पड़ने की संभावना है। एजेंसी ने पिछले सप्ताह दाखिल अपने जवाब में पत्नी के खराब स्वास्थ्य के आधार पर सिसोदिया की अंतरिम जमानत की याचिका को भी खारिज कर दिया। हलफनामे में कहा गया है कि इन दस्तावेजों के माध्यम से आवेदक की पत्नी की स्थिति का पता चला है, जिसे आवेदक को जमानत पर रिहा करने के लिए पर्याप्त गंभीर या गंभीर नहीं माना जा सकता है।

पृथ्वी की कक्षा से बाहर निकलकर चंद्रयान-3 पहुंचा चंद्रमा की ग्रेविटी के करीब

बेंगलुरु (एजेंसी)। चंद्रयान-3 पृथ्वी की कक्षा से बाहर निकल गया है और जल्दी ही अब वह चंद्रमा की ग्रेविटी के करीब पहुंचने वाला है। नासा से मिली जानकारी के अनुसार चंद्रयान-3 मंगलवार तड़के पृथ्वी की कक्षा से घूमने की सफल प्रक्रिया के बाद चांद की अगले चरण की यात्रा पर निकल गया है। वह अब एक पथ का अनुसरण करेगा जो इसे चंद्रमा के आसपास ले जाएगा। चंद्रमा की पांच दिवसीय यात्रा मंगलवार सहित 5 अगस्त को इसरो द्वारा अंतरिक्ष यान को अंडाकार चंद्र कक्षा में स्थापित करने के साथ समाप्त होगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इसरो ने कहा कि मंगलवार के पेरिगी बर्न ने चंद्रयान -3 की कक्षा को सफलतापूर्वक 288 किमी × 3.7 लाख किमी तक बढ़ा दिया है। इस कक्षा में अंतरिक्ष यान चंद्रमा के प्रभाव क्षेत्र में प्रवेश करता है। रिल्यून में एक महत्वपूर्ण पैंतरेबाजी से चंद्र कक्षा इंजेक्शन (एलओआई) हासिल किया जाएगा। इस बारे में इसरो के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने कहा कि अब तक सब कुछ योजना के अनुसार हुआ है और इसे 100 किलोमीटर की गोलाकार कक्षा में ले जाने के लिए 5 अगस्त को एलओआई सहित पांच चंद्र-बाउंड अभ्यास होंगे।

बता दें कि चंद्रयान-3, जो वर्तमान में ट्रांस-चंद्र कक्षा में है, चंद्रमा से लगभग 40,000 किमी की दूरी पर पहुंचने पर चंद्र गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव का अनुभव करना शुरू कर देगा और एलओआई के माध्यम से चंद्र कक्षा में स्थापित किया जाएगा। यह ऑपरेशन 20-25 मिनट का होने की उम्मीद है।

जबकि ट्रांस-लूनर इंजेक्शन (टीएलआई), मंगलवार को किया गया 20-21 मिनट का ऑपरेशन और 5 अगस्त एलओआई के बीच कोई नियोजित अभ्यास नहीं है। यदि इसरो को अंतरिक्ष यान के अभिविन्यास या वेग को बदलने की आवश्यकता है तो वह टीएलआई सुधार कर सकता है। चंद्रयान-2 को ऐसे एक से अधिक छोटे सुधारों की आवश्यकता थी। एक बार जब 5 अगस्त और 17 अगस्त के बीच पांच चंद्र-संबंधित अभ्यास पूरे हो जाएंगे, तो लैंडिंग मॉड्यूल, जिसमें विक्रम (लैंडर) और प्रज्ञान (रोवर) शामिल होंगे, प्रणोदन मॉड्यूल से अलग हो जाएंगे। इसके बाद इसरो को विक्रम पर आगे डी-ऑर्बिट अभ्यास करने की आवश्यकता होगी।

पीएम मोदी का मास्टर प्लान, 500 रेलवे स्टेशनों का होगा कायाकल्प

नई दिल्ली। मास्टर प्लान के तहत देश के 500 रेलवे स्टेशनों का एक साथ कायाकल्प होने जा रहा है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले हफ्ते एक ही दिन में लगभग इन सभी रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखेंगे। इन स्टेशनों का पुनर्विकास 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत किया जाएगा, जिसमें लगभग 20,000 करोड़ रुपए का निवेश होगा। मिली जानकारी के अनुसार पीएम मोदी जिन स्टेशनों की आधारशिला रखेंगे उनमें प्रयागराज, विजय नगरम, दिल्ली छावनी, नरेला (दिल्ली) और औरंगाबाद शामिल हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने कहा कि परियोजनाओं के पैमाने और देशभर में उनके प्रसार को देखते हुए, रेल मंत्रालय सभी 500 स्थानों पर एक साथ कार्यक्रम आयोजित करेगा। उन्होंने कहा कि मुख्य फोकस स्कूली छात्रों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित करने पर होगा। रेलवे का अनुमान है कि उस दिन छात्रों की भागीदारी दो लाख को पार कर जाएगी। अमृत भारत स्टेशन योजना में 'एक स्टेशन एक उत्पाद' योजना के तहत स्टेशन पर पहुंच, सर्कुलेटिंग एरिया, वेटिंग हॉल, शौचालय, लिफ्ट और एस्केलेटर के अलावा स्वच्छता, मुफ्त वाईफाई, स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क जैसी सुविधाओं में सुधार के लिए मास्टर प्लान तैयार किया गया है। इस योजना के तहत अब तक 1,309 रेलवे स्टेशनों की पहचान की गई है, जिनमें राजस्थान में 83, गुजरात में 87, मध्य प्रदेश में 80 और हरियाणा में 34 स्टेशन शामिल हैं।

नामीबियाई से आई चीता टिबलिसी की संदिग्ध मौत, निरवा 7 दिन से लापता

- स्टीयरिंग कमिटी के अध्यक्ष लीपापोती में जुटे

श्रीनगर (एजेंसी)। भोपाल(ईएमएस)। कूनो नेशनल पार्क चीतों के लिए कब्रिस्तान बनता जा रहा है। बुधवार को एक और फीमेल चीता संदिग्ध मौत हो गई है। मौत के कारणों को छुपाने की प्रक्रिया तेज हो गई है। इसके पीछे वजह बताई जा रही है कि स्टीयरिंग कमेटी के अध्यक्ष राजेश गोपाल और एनटीसीए के सदस्य सचिव एसपी यादव अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए पोस्टमार्टम की रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं करने के निर्देश दिए हैं।

पीसीसीएफ वाइल्डलाइफ असीम श्रीवास्तव ने बुधवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर टिबलिसी (धात्री) की मौत की पुष्टि की है। श्रीवास्तव ने बताया कि बाहर विचरण कर रहे दोनों मादा चीता की नामीबियाई विशेषज्ञों, कूनो के वन्य प्राणी चिकित्सक एवं प्रबंधन टीम द्वारा लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। इनमें से टिबलिसी (भारतीय नाम धात्री) बुधवार को मृत पाई गई। श्रीवास्तव ने जारी विज्ञप्ति में कहा है कि मृत्यु के कारणों का पता नहीं लगा है। पोस्टमार्टम के बाद ही मृत्यु के कारणों का पता चल सकेगा। हालांकि अभी तक जितनी भी चीता की मौत हुई है, किसी एक का भी पोस्टमार्टम रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं किया गया है। मौत के कारणों की लीपापोती हो रही है। यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट में को भी गुमराह किया जा रहा है।

7 दिन से लापता है निरवा

कूनो की एक और फीमेल चीता निरवा 7 दिन से लापता है। पार्क प्रबंधन अभी तक उसकी सुराग नहीं लगा पाया है। पार्क प्रबंधन के द्वारा यह तर्क दिया जा रहा है कि उसके पद मार्क दिखाई दे रहे हैं। जबकि निरवा की निगरानी में जुटे कर्मचारी अब दबी भी जुबां कहने लगे हैं कि निरवा का कोई अता-पता नहीं है। पगमार्क दिखाई देने का दावा करना बेमानी है और गुमराह करना है।

पटरी से उतरने लगी है चीता परियोजना

भारत की चीता परियोजना पटरी से उतर गई है, क्योंकि इसे एक अभूतपूर्व संकट का सामना करना पड़ रहा है। इसका अनुमान चीता प्रबंधकों को भी नहीं था। हालाँकि गोपनीयता में लिपटी इस परियोजना में चीते की उच्च मृत्यु दर की कल्पना की गई थी, लेकिन मौतों के वर्तमान कारण का चीता कार्य योजना में कोई उल्लेख नहीं किया गया। ठीक वैसे ही जैसे राजनीति, नौकरशाही बाधाएं और लालफीताशाही सहित अन्य मुद्दे वर्तमान दुर्दशा के लिए जिम्मेदार हैं। वर्तमान में चीता प्रोजेक्ट की जिम्मेदारी अफसरों के हाथों में है उनमें से किसी का भी चीता मैनेजमेंट से कोई संबंध नहीं रहा है। सुप्रीम कोर्ट स्पष्ट रूप से चीता प्रोजेक्ट से जुड़े अफसरों की फटकार लगा चुका है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी सुझाव दिया था कि अधिकारी अपने ईगो को छोड़कर चीता को बचाने के विकल्पों पर काम करना चाहिए। चीता प्रोजेक्ट में शिफ्ट करने के विकल्प भी दिए गए हैं किंतु राजनीतिक प्रतिद्वंदिता की वजह से उन पर विचार नहीं किया जा रहा है।

सिद्दारमैया की पीएम मोदी से मुलाकात तय, मुफ्त योजना में चावल की करेंगे मांग

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया पीएम मोदी से मुलाकात करने वाले हैं। इस दौरान वे मुफ्त योजना में चावल आपूर्ति की मांग कर सकते हैं। बता दें कि सीएम सिद्दारमैया राज्य में सत्ता संभालने के बाद गुरुवार को पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। आधिकारिक जानकारी के अनुसार सिद्दारमैया केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से भी मुलाकात करेंगे। सूत्रों के अनुसार, कर्नाटक के मुख्यमंत्री पार्टी की प्रमुख मुफ्त चावल योजना, अन्न भाग्य योजना के लिए केंद्र सरकार की एजेंसियों द्वारा चावल की आपूर्ति के लिए प्रधानमंत्री से अनुरोध कर सकते हैं, जिसके तहत उनकी सरकार बीपीएल परिवार के सभी सदस्यों के लिए 10 किलो चावल उपलब्ध कराने की योजना बना रही है। वह केंद्र सरकार से सिंचाई परियोजनाओं, जल जीवन मिशन, मनरेगा के लिए अतिरिक्त धनराशि बढ़ाने की भी मांग करेंगे। उम्मीद है कि मुख्यमंत्री 15वें वित्तीय आयोग की सिफारिश के अनुसार राज्य के लिए 5,495 करोड़ रुपये की अंतरिम राहत की मांग करेंगे और राज्य को जीएसटी में उचित हिस्सा नहीं मिलने के बारे में भी चर्चा करेंगे। सूत्रों ने बताया कि वह अपनी बैठक के दौरान राज्य में प्रमुख सड़क परियोजनाओं और अतिरिक्त अनुदान की मांग पर भी चर्चा करेंगे।

बता दें कि बुधवार को नई दिल्ली में कांग्रेस आलाकमान द्वारा बुलाई गई अहम बैठक में सिद्धारमैया भी शामिल होंगे। उपमुख्यमंत्री और कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार और कैबिनेट मंत्रियों, विधायकों और वरिष्ठ नेताओं सहित कांग्रेस के 50 प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है। शिवकुमार ने कहा कि बैठक आगामी लोकसभा चुनाव के लिए रणनीति बनाने और विभिन्न नेताओं के लिए जिम्मेदारियां तय करने के लिए बुलाई गई है। आलाकमान राज्य में गारंटी योजनाओं के क्रियान्वयन की भी समीक्षा करेगा।

एनडीए सांसद रक्षाबंधन पर मुस्लिम महिलाओं तक पहुंचकर करेंगे संवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षाबंधन के त्योहार को देखते हुए एनडीए ने मुस्लिम वर्ग की महिलाओं तक पहुंचकर संवाद बनाने की योजना तैयार की है। इसकी वजह यह है कि पीएम मोदी ने समाज के सभी वर्गों तक पहुंच कर उन्हें सरकार की उपलब्धियों से अवगत कराने की मुहिम के तहत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसदों को तैयार रहने के लिए कहा है। पीएम ने भाई-बहन के अटूट रिश्ते से जुड़े राखी के त्योहार पर मुस्लिम महिलाओं तक पहुंच कर उनसे संवाद करने को भी कहा है। बताया जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी ने भाजपा नीत राजग के सांसदों के साथ संवाद के मिशन के तहत सोमवार रात को सांसदों के दूसरे कलस्टर के साथ बैठक के दौरान यह सुझाव दिया। पीएम मोदी ने पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा से आने वाले एनडीए गठबंधन के 41 सांसदों को संबोधित करते हुए मुस्लिम महिलाओं का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार ने तीन तलाक पर प्रतिबंध लगाया जिससे मुस्लिम महिलाओं में सुरक्षा की भावना बढ़ी है। यह मुस्लिम महिलाओं के हित में लिया गया सरकार का बड़ा फैसला था और सांसदों को इन मुस्लिम समाज की महिलाओं तक पहुंचने के लिए रक्षाबंधन के त्योहार पर बड़े कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास मुहिम के तहत पार्टी नेताओं को वोट की चिंता किए बगैर समाज के सभी वर्गों तक पहुंचने का निर्देश देते रहते हैं। भाजपा का अल्पसंख्यक और महिला मोर्चा इसे लेकर कई तरह के अभियान भी चला रहा है। राखी के त्योहार को लेकर भी दोनों मोर्चों ने कई कार्यक्रमों का खाका तैयार किया है। ऐसे में अब एनडीए सांसदों को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा दिए गए इस निर्देश के तहत पार्टी जल्द ही राखी के त्योहार को लेकर बड़े-बड़े कार्यक्रम करने की योजना बना सकती है। इसमें बहनों को उपहार देने की योजना भी हो सकती है।

'5 अगस्त 2019 को जो कुछ भी हुआ, वह देश और जम्मू-कश्मीर के संविधान के खिलाफ'

-370 पर बोले उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्ववर्ती राज्य जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को हटाने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर आज से सुनवाई शुरू की। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति संजय किशन कौल, संजीव खन्ना, बीआर गवई और सूर्यकांत की पांच न्यायाधीशों वाली संविधान पीठ सोमवार और शुक्रवार को छोड़कर दैनिक आधार पर याचिकाओं पर सुनवाई करेगी। याचिकाएं 5 अगस्त, 2019 के राष्ट्रपति के आदेश को चुनौती देती हैं, जिसने अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया। शीर्ष न्यायालय ने पहले कहा था कि पांच अगस्त 2019 की अधिसूचना के बाद पूर्ववर्ती राज्य जम्मू-कश्मीर की स्थिति के संबंध में केंद्र की ओर से दाखिल हलफनामे का पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ द्वारा संवैधानिक मुद्दे पर की जा रही सुनवाई पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

उमर अब्दुल्ला का बयान

धारा 370 को निरस्त करने पर सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई पर नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने कहा कि हमने CJI और उनके सहयोगी जज को यह समझाने की कोशिश की कि 5 अगस्त 2019 को क्या हुआ और हम सुप्रीम कोर्ट से क्या उम्मीद कर रहे हैं। CJI और उनके सहयोगी एसोसिएट जज ने भी कई सवाल उठाए। यह सब संविधान के बारे में है। उन्होंने कहा कि देश और जम्मू-कश्मीर के संविधान के बारे में...5 अगस्त 2019 को जो कुछ भी हुआ, वह देश और जम्मू-कश्मीर के संविधान के खिलाफ था। हमें उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट इसे हमारे दृष्टिकोण से देखेगा। उमर अब्दुल्ला ने साफ तौर पर कहा कि हम संविधान के बारे में बात कर रहे हैं, इसकी राजनीति के बारे में नहीं। यह जम्मू-कश्मीर के लिए एक बड़ा मुद्दा है।

केंद्र ने पांच अगस्त 2019 को पूर्ववर्ती राज्य जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त कर दिया था और इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों--जम्मू कश्मीर तथा लद्दाख--के रूप में विभाजित कर दिया था। जम्मू-कश्मीर को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने वाले जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 और अनुच्छेद 370 के ज्यादातर प्रावधानों को निरस्त करने के केंद्र के फैसले को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं को 2019 में संविधान पीठ को भेजा गया था।

सीमा-सचिन पर हुई मेहरबानी, दोनों को मिली 1 लाख रुपये महीने की नौकरी

-अब बरसेंगे नोट, फिल्म में काम का मिला ऑफर इंस्टाग्राम व फेसबुक रील्स से भी होगी कमाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीमा हैदर और सचिन मीणा की लव स्टोरी अब कमाई का जरिया भी बनने जा रही है। दोनों को एक कारोबारी ने 1 लाख रुपये सैलरी पर नौकरी ऑफर की है तो वहीं एक मूवी में काम करने के लिए एडवांस चेक देने का ऑफर भी मिला है। इतना ही नहीं उनके इंस्टाग्राम व फेसबुक फालोअर भी बढ़ गए हैं, और अब यहां से भी कमाई होने वाली है। गौरतलब है कि सीमा और सचिन का प्यार अब चर्चा का विषय बन गया जिसका आए दिन दोनों का कोई न कोई नया इंटरव्यू वायरल हो रहा है। ऐसे में दोनों के पास एक साथ कई लाटरी हाथ में लगी। मिली जानकारी के अनुसार गुजरात के एक कारोबारी ने नौकरी का ऑफर दिया। जिसमें दोनों को पचास-पचास हजार रुपये महीने की सैलरी दी जाएगी। इस खबर को सुनकर आर्थिक संकट से जूझ रहा सीमा-सचिन का परिवार फूले नहीं समा रहा है। बताया जा रहा है कि गुजराती कारोबारी ने दरियादिली दिखाते हुए उनकी मदद करने का निर्णय लिया। उन्होंने दोनों को 50-50 हजार रुपये प्रति माह पर नौकरी देने की पेशकश की है। इसके अलावा उन्हें एक मूवी डायरेक्टर अमित जानी ने भी अपनी फिल्म में काम करने का ऑफर दिया है। इतना ही नहीं काम से पहले उन्हें एडवांस में चेक देने को भी तैयार है। सीमा और सचिन की लव स्टोरी अब इतनी फेमस हो चुकी हैं कि उनके इंस्टाग्राम और यूट्यूब चैनल के सब्सक्राइबर्स भी काफी संख्या में बढ गए है। जिससे वहां से भी उनकी कमाई हो सकती है।

बता दें कि सीमा ने हाल ही में एक इंटरव्यू में कहा था कि पहले मैंने अपना इंस्टाग्राम अकाउंट प्राइवेट कर रखा था। लेकिन जब मुझे पता चला कि लोग हमारी वीडियो को शेयर कर-करके पैसा कमा रहे हैं तो मैंने खुद का इंस्टाग्राम अकाउंट पब्लिक कर दिया। ताकि हम भी पैसा कमा सके और इससे सचिन के परिवार की भी आर्थिक मदद हो जाएगी। सचिन-सीमा अपना घर छोड़ रबूपुरा के दूसरे घर में रहने को मजबूर हैं। पुलिस केस के कारण उनका परिवार फिलहाल घर से बाहर नहीं निकल सकता। उन्हें तब तक घर में ही रहना होगा जब तक ये केस चलता रहेगा। इससे पहले सचिन के पिता नेत्रपाल मीणा ने वीडियो के जरिए बताया कि पुलिस केस के कारण पूरा परिवार घर में ही रह रहा है। हम लोग रोज कमाकर खाने वाले लोग हैं लेकिन जब से पुलिस ने घर से बाहर न जाने के लिए कहा तब से वे लोग कुछ भी नहीं कमा पा रहे हैं। खाने-पीने के लाले पड़ गए हैं। घर में राशन भी नहीं बचा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

दो साल की बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के दोषी को सूरत कोर्ट ने सुनाई फांसी की सजा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,सूरत के सचिन में दो साल की एक बच्ची के साथ दुष्कर्म और उसकी हत्या के दोषी को सूरत की कोर्ट ने आज फांसी की सजा का ऐलान किया। पुलिस ने घटना के बाद केवल 11 दिनों को भीतर चार्जशीट तैयार कर कोर्ट में पेश की थी। पांच महीने की सुनवाई के बाद गत 31 जुलाई को सूरत की कोर्ट ने आरोपी को दोषी करार देते हुए सजा सुनाने के लिए आज यानी 2 अगस्त का दिन मुकर्रर किया था। घटना इसी साल 28 फरवरी की है, जब सूरत के सचिन में कपलेठा क्षेत्र निवासी एक परिवार की दो साल की बच्ची को इस्माइल उर्फ युसूफ सलीम हजात नामक युवक बहला फुसला लेकर

अपने साथ ले गया था। बाद में मासूम बच्ची के साथ इस्माइल ने दुष्कर्म किया और उसकी हत्या कर फरार हो गया। काफी देर तक बेटी के घर नहीं लौटने पर परिवार ने उसकी तलाश शुरू कर दी और पुलिस को भी इत्तला कर दिया। घटना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस भी बच्ची की खोजबीन में जुट गई। उस दौरान बच्ची का शव एक बंद मकान के कंपाउन्ड से बरामद हुआ। घटना का आरोपी इस्माइल उर्फ युसूफ फरार हो उससे पहले ही पुलिस ने उसे दबोच लिया और 11 दिन के भीतर उसके खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट फाइल कर दी। सरकारी वकील नयन सुखडवाला ने आरोपी के खिलाफ चार्ज फ्रेम होने के बाद केवल पांच महीने की संक्षिप्त अवधि में स्पीडी ट्रायल चलाकर 59 गवाह और 70 दस्तावेजी प्रमाण कोर्ट के समक्ष पेश किए। सूरत के अतिरिक्त सत्र न्यायालय की न्यायधीश शंकुतला सोलंकी ने आरोपी इस्माइल उर्फ युसूफ सलीम हजात को आईपीसी की धारा 302, 363, 366, पोस्को एक्ट 376, ए, बी, 377 इत्यादि दफाओं के तहत दोषी करार दिया था और सजा के लिए 2 अगस्त 2023 का दिन मुकर्रर किया था। कोर्ट ने आज इस्माइल को फांसी की सजा का ऐलान किया है।

कैमिकल भरा ड्रम फटने से 4 श्रमिकों की मौत

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,सूरत के कीम जीआईडीसी से बड़ी दुर्घटना सामने आई है। सूरत के मांगरोल की नीलम इंडस्ट्रीज में गैस रिसाव से चार श्रमिकों की मौत हो गई। प्राथमिक जानकारी के मुताबिक यह घटना कैमिकल भरा ड्रम फटने की वजह से हुई। घटना के बाद कंपनी में अफरातफरी मच गई। खबर पाते ही पुलिस काफिला घटनास्थल पर पहुंच गया और मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए साधना अस्पताल भेज दिया।

इस घटना में 45 वर्षीय इम्तियाज अब्दुल शेख, 22 वर्षीय अमीन पटेल, 22 वर्षीय अरुण और 54 वर्षीय रघाजी की मौत हो गई।

गुजरात में शराबबंदी के बावजूद एक सप्ताह में 2723 रईशजादे ड्रींक एन्ड ड्राइव करते धरे गए

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधी के गुजरात में संपूर्ण शराबबंदी है, इसके बावजूद राज्य में आए दिन देशी-विदेशी शराब पकड़ी जाती है। इसका प्रमाण है पिछले एक सप्ताह में 2732 रईशजादे पकड़े गए हैं, जो शराब के नशे में गाडी चला रहे थे। दरअसल अहमदाबाद के इस्कॉन ब्रिज दुर्घटना के बाद गुजरात पुलिस राज्यभर में ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ खास अभियान चला रही है। जिसकी वजह से आरटीओ में जुर्माना भरने के लिए सुबह से शाम तक ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों की भीड़ दिखाई दे रही है। अगर इस्कॉन ब्रिज दुर्घटना नहीं हुई होती तो पुलिस ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन को लेकर इतनी सक्रिय नहीं होती। 22 अगस्त 2023 तक चलने वाले पुलिस के खास अभियान के तहत एक सप्ताह के भीतर 2723 रईशजादों को ड्रींक एन्ड ड्राइव के तहत पकड़ा गया। पकड़े गए ये लोग शराब के नशे में अंधाधुंध गाड़ी चला रहे थे। राज्यभर में ऑवर स्पीड के कुल 20737 केस दर्ज हुए हैं। ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने के मामले में अहमदाबाद, राजकोट और सूरत सबसे आगे हैं। अहमदाबाद की इस्कॉन ब्रिज दुर्घटना के बाद भी वाहन चालक सुधरते नहीं दिख रहे और अंधाधुंध ऑवर स्पीड में कार और बाइक चलाते नजर आ रहे हैं। अगर पुलिस यूं ही पूरी तरह सक्रिय रही तो राज्य में दुर्घटनाएं रुक सकती हैं।

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-9879141480

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com